संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 171
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
सोमवार 21 सितम्बर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू

Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

'पहले पुलिस की जमीन पर माफिया का कब्जा था'

योगी बोले-आज अपराध किया तो समझो डेथ सेंटेंस पर खुद साइन किया

एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को लोकभवन में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस विभाग के 912 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना समेत अन्य मंत्री व अधिकारी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की चयन प्रक्रिया के तहत इन अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों में पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय), सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) और सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के पद शामिल हैं। ये सभी चयनित अभ्यर्थी पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं देंगे।

भर्तियों में भाई-भतीजावाद हावी था

इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले भर्ती प्रक्रिया को लेकर युवाओं में निराशा थी। इसमें बदलाव लाया जा सकता था। भाई-भतीजावाद हावी था। 2017 से पहले जो एप्लीकेंट ही नहीं थे, उनका भी चयन हो जाता था। यानी, जो भर्ती में शामिल ही नहीं हुआ, उसे नौकरी मिल जाती थी। जब हम आए तब इस पर बदलाव किया। ग्रुप सी और डी पर हमने साक्षात्कार की व्यवस्था खत्म कर दी। पहले साक्षात्कार में खेल कर दिया जाता था। हमने इस चरण को ही खत्म कर दिया। सीएम ने आगे कहा कि सारे पद पहले जैसे ही हैं, सिर्फ काम करने का तरीका बदला है। ऐसा भी नहीं है कि हम गोरखपुर, दिल्ली या बाहर के प्रदेशों से अधिकारी लाकर काम कर रहे हैं। सारा मानवबल वही है। कार्य करने के तरीके में बदलाव आया है। पहले हर दूसरे दिन दंगे होते थे। महीनो-महीनो कर्फ्यू रहता था। मुजफ्फरनगर में तो छह महीने दंगे होते रहे। कोसीकलां से शुरू होता था दंगा।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम पर बवाल

मिमिक्री विवाद के बाद राहुल के बचाव में उतरी कांग्रेस, भाजपा पर साधा निशाना

एजेंसी

लखनऊ। मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखा सियासी संग्राम छिड़ गया है। मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री और टिप्पणियों को लेकर भाजपा के हमलों के बाद अब पूरी कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के बचाव में उतर आई है। कांग्रेस ने न सिर्फ मिमिक्री विवाद पर भाजपा के रवैये को अलोकतांत्रिक बताया, बल्कि यह भी आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस ने मिलकर देश की पूरी शिक्षा व्यवस्था को खोखला कर दिया है।

जयराम रमेश का तीखा हमला

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा- राहुल गांधी ने उस 'सिस्टम' का

पर्दाफाश कर दिया है जो छात्रों की आवाज दबा रहा है। रमेश ने कहा, 'यह सिस्टम कौन है? यह भाजपा-आरएसएस के लोग हैं, जिन्होंने देश की शिक्षा, अर्थव्यवस्था, राजनीति और हर संस्था पर कब्जा कर लिया है। इन्होंने शिक्षा व्यवस्था को खोखला और भ्रष्ट बना दिया है, क्योंकि यह सिस्टम छात्रों से डरता है। छात्र सवाल पूछते हैं और जवाबदेही मांगते हैं। अब राहुल गांधी उनके साथ खड़े हैं, इसलिए छात्रों का डर खत्म हो चुका है और उनकी आवाज पूरे देश में गूंज रही है।'

हरीश रावत ने बताया राजनीति का सहज हिस्सा

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने राहुल गांधी का समर्थन करते हुए भाजपा की असहिष्णुता पर सवाल उठाए। रावत ने कहा- राजनीति में जब आप किसी पद पर होते हैं, तो ऐसी चीजों को स्वाभाविक प्रक्रिया के रूप में स्वीकार करना पड़ता है। भाजपा का यह रवैया- जहां वे ऐसा बर्ताव करते हैं कि मानो उन पर एक मक्खी भी नहीं बैठनी चाहिए बिल्कुल लोकतांत्रिक नहीं है। लोकतंत्र में यह समझना बेहद जरूरी है कि ऐसी बातें इस खेल का एक सहज हिस्सा हैं।

यूपी सियासतः बसपा में शामिल होने से पहले ही दीपिका आउट

मायावती ने ईशान आनंद को फिर दी एंट्री

एजेंसी

लखलऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने परिवार और पार्टी संगठन को लेकर एक बार फिर बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि आकाश आनंद और उनकी बहन को अब पार्टी की कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही अपने भाई आनंद कुमार के परिवार से केवल ईशान आनंद को ही पार्टी में सम्मानजनक जिम्मेदारी देकर आगे बढ़ाने का एलान किया। मायावती ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपने अनुभवों को ध्यान में रखते हुए नजदीकी रिश्ते-नातों के मोह से ऊपर उठकर काम करने का फैसला किया है। बसपा संस्थापक कांशीराम ने भी अपने रिश्तेदारों को राजनीतिक लाभ देने से दूरी बनाए रखी। अपना जीवन बहुजन समाज के हित के लिए समर्पित किया।

मुंबई में बीएमडब्ल्यू फ्लाईओवर से गिरी

कार सवार 3 की मौत, 1 घायल, तेज रफ्तार के चलते ड्राइवर ने कंट्रोल खोया

एजेंसी

मुंबई। मुंबई कोस्टल रोड पर एक लग्जरी कार के दुर्घटनाग्रस्त होने से तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। कोस्टल रोड कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा 20 सितंबर को सुबह करीब 5:20 बजे लाला कॉलेज के सामने लोटस जेटी के पास हुआ। कार मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी, तभी तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर ने कथित तौर पर गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया। हादसे के बाद, कार में सवार चारों लोगों को नायर अस्पताल ले जाया गया, जहां इमरजेंसी मेडिकल टीम ने उनकी हालत की जांच की। नायर अस्पताल के चीफ मेडिकल ऑफिसर (सीएमओ) की ओर से सुबह करीब 8.40 बजे जारी अपडेट के अनुसार, डॉक्टरों ने कार में सवार तीन लोगों को 'ब्रॉट डेड' (अस्पताल पहुंचने से पहले ही मृत) घोषित कर दिया।मरने वालों में एक 21 साल का और एक 17 साल का युवक शामिल था, जबकि मृतकों की पहचान और अन्य जानकारी का अभी पता नहीं चल पाया है। चौथा व्यक्ति, जो 20 साल का युवक है, हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे नायर अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कराया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की पहचान और हादसे के सही कारणों के बारे में और जानकारी का इंतजार है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सेमीकॉन इंडिया 2026 में 56 एमओयू पर हस्ताक्षर

डिजाइन से लेकर रिसर्च तक मजबूत हुई साझेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी कॉन्फ्रेंस 'सेमीकॉन इंडिया 2026' ने निवेश और तकनीकी साझेदारी के लिए बड़ा मंच दिया। इस इवेंट में 600 से ज्यादा प्रदर्शक, करीब 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियां और 52 देशों की भागीदारी रही। इस दौरान डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च से जुड़े 56 एमओयू, घोषणाएं और रणनीतिक पहल हुईं। सरकारी बयान के अनुसार, भारत की इस पांचवीं फ्लैगशिप सेमीकंडक्टर कॉन्फ्रेंस ने घरेलू सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के विकास में एक और कदम बढ़ाया है।

इस बार 6 कंट्री पवेलियन लगाए गए थे, जिनमें जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, नीदरलैंड, सिंगापुर और स्वीडन शामिल थे। इसके साथ ही 12 राज्यों के पवेलियन, एक स्टार्टअप पवेलियन, वर्कफोर्स डेवलपमेंट जोन, इनोवेशन शोकेस और स्टूडेंट हैकाथॉन भी आयोजित किया गया। इनमें सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन के अलग-अलग पहलुओं को दिखाया गया।

इस इवेंट के लिए कुल 51,656 रजिस्ट्रेशन हुए और करीब 40,000 लोगों की मौजूदगी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सेमीकॉन इंडिया 2026' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारत अब पॉलिसी पर चर्चा और प्रोजेक्ट प्लानिंग से आगे बढ़कर कमर्शियल सेमीकंडक्टर प्रोडक्शन के दौर में पहुंच गया है।

पीएम मोदी ने युवा चिप डिजाइनर्स और छात्रों से बातचीत की और वर्चुअली दो नई कमर्शियल प्रोडक्शन लाइनों का उद्घाटन किया। ये लाइनें सीडीआईएल सेमीकंडक्टर, मोहाली और सुची सेमीकॉन, सूरत में शुरू हुई हैं। इसके साथ ही सेमीकॉन 1.0 के तहत मंजूर 12 प्रोजेक्ट्स में से 5 यूनिट अब पूरी तरह से काम करने लगी हैं।

महाराष्ट्र समेत 9 राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट

अंडमान के ऊपर बन रहा डीप डिप्रेशन, ओडिशा के 10 जिलों में चलेंगी हवा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई की प्रक्रिया शुरू होने के बीच मौसम के बदलते मिजाज ने कई राज्यों में चिंता बढ़ा दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने महाराष्ट्र सहित देश के 9 राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर 'यलो अलर्ट' जारी किया है। अंडमान सागर के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र (लो प्रेशर सिस्टम) के तेजी से सक्रिय होने के कारण तटीय और प्रायद्वीपीय भारत में मौसमी गतिविधियों में भारी तीव्रता देखी जा रही है। अंडमान सागर में बना सिस्टम, 23 सितंबर को बदलेगा 'डीप डिप्रेशन' मेंमौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अंडमान सागर के ऊपर विकसित हुआ कम दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है।

चक्रवात की पूर्व-अवस्था: यह सिस्टम 23 सितंबर की सुबह तक ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों पर पहुंचने से ठीक पहले 'डीप डिप्रेशन' में तब्दील हो सकता है।

खतरे की घंटी: मौसम विज्ञान में डीप डिप्रेशन सामान्य लो-प्रेशर से कहीं अधिक शक्तिशाली प्रणाली होती है, जो चक्रवाती तूफान बनने से ठीक पहले का चरण माना जाता है। इसके सीधे प्रभाव से ओडिशा, आंध्र प्रदेश और आसपास के तटीय

क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी दी गई है।

ओडिशा के 10 जिलों में 50 किमी/घंटे की रफ्तार से अंधड़ का अनुमान

इस मौसमी सिस्टम के सक्रिय होने से ओडिशा के तटीय और आंतरिक इलाकों में मौसम तेजी से बिगड़ने की आशंका है। मौसम विभाग ने विशेष रूप से 10 संवेदनशील जिलों–बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, कटक, ढेंकनाल, पुरी, खुर्दा और नयागढ़–में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

छत्तीसगढ़ में आकाशीय बिजली का कहर, 4 लोगों की दर्दनाक मौत

मध्य भारत में मानसून की बेरुखी और आकाशीय बिजली (ठनका) जानलेवा साबित हो रही है। छत्तीसगढ़ में विभिन्न स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में 4 लोगों की मौत हो गई। प्रशासन ने खराब मौसम के दौरान लोगों से खुले मैदानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

यूपी में बाढ़ और कटान से भूमि समाहित

उत्तर भारत की बात करें तो उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में बाढ़ और नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव से कटान की समस्या गंभीर हो गई है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, नदियों के तेज बहाव और कटान के चलते लगभग 12 एकड़ उपजाऊ व रिहायशी जमीन जलमग्न होकर बह गई, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में भय का माहौल है।

तमिलनाडु के 15 जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान, चेन्नई में शाम को हल्की बारिश की संभावना

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने चेन्नई और कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लूर जिलों सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में रविवार को बारिश होने की संभावना जताई है। आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र से लेकर मन्नार की खाड़ी तक फैला हुआ एक उत्तर-दक्षिण निम्न दबाव क्षेत्र, जो समुद्र तल से लगभग 0.9 किलोमीटर ऊपर तमिलनाडु के कुछ हिस्सों से होकर गुजरता है, मौसम को प्रभावित कर रहा है। रविवार और सोमवार को नीलगिरी, कोयंबटूर, कुड्डालोर, कृष्णागिरी, सलेम, तिरुपत्तूर, धर्मपुरी, तिरुवनमलाई, विलुपुरम, कल्लाकुरिची, वेल्लोर, पेरम्बालूर, अरियालूर, तिरुचिरापल्ली और मदुरै जिलों में कुछ स्थानों पर गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने की संभावना है।

डूसू चुनाव में एबीवीपी की जीत पर गृह मंत्री अमित शाह का बयान

राष्ट्र विरोधी ताकतों को स्पष्ट संदेश, देश का युवा नेशन फर्स्ट के साथ

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (DUSU) चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) के शानदार प्रदर्शन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बधाई देते हुए इसे देश के युवाओं के मिजाज का स्पष्ट प्रतिबिंब करार दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि यह जनादेश उन ताकतों के लिए कड़ा संदेश है जो युवाओं को विघटनकारी एजेंडे की प्रयोगशाला बनाना चाहते हैं। गृह मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर लिखा कि दिल्ली विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं है, बल्कि यहां देश के कोने-कोने से छात्र पढ़ने आते हैं। ऐसे में डीयू का यह जनादेश पूरे भारत के युवाओं की सोच और प्राथमिकताओं को दर्शाता है। अमित शाह ने अपने बयान में कहा, 'आज एबीवीपी को मिली शानदार जीत उन राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए स्पष्ट संदेश है, जो युवा शक्ति को राष्ट्र विरोधी

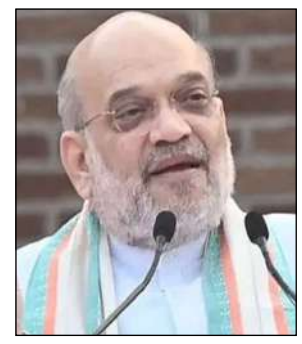

एजेंडे की प्रयोगशाला बनाना चाहते हैं। देश का युवा आज 'राष्ट्र प्रथम' (Nation First) की विचारधारा के साथ मजबूती से खड़ा है और यही इस जनादेश का सबसे बड़ा संदेश है। '

मुंबई के लालबाग में गणपति पंडाल के बाहर करंट लगने से एक बच्ची की मौत, 4 की हालत गंभीर

एजेंसी

मुंबई। मुंबई के लालबाग इलाके में रविवार रात करीब 2 बजे गणपति पंडाल के बाहर करंट लगने से एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि अन्य चार गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना लालबाग के कालाचौकी क्षेत्र में दत्ताराम लाड मार्ग पर स्थित कालाचौकी विभाग सार्वजनिक उत्सव मंडल के पास हुई। गणपति उत्सव के दौरान लालबाग इलाके में भारी भीड़ जमा थी। इसी बीच, अचानक पंडाल में बिजली का करंट फैलने से अफरातफरी मच गई। अचानक बिजली का करंट फैलने से 2 लड़के और 3 लड़कियां इसकी चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गईं। हादसे के तुरंत बाद सभी पांचों पीड़ितों को भायखला स्थित मसीना अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने एक 8 वर्षीय बच्ची को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों में से एक लड़की की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए परेल स्थित ग्लोबल अस्पताल स्थानांतरित किया गया है।

भारत-अमेरिका युद्ध अभ्यास में गरजी एम777 तोप, तबाह किए सभी लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका की सेनाएं अपनी तोपखाना क्षमता का जोरदार प्रदर्शन कर रही हैं। तोप की मारक क्षमता का यह प्रदर्शन भारत-अमेरिका के संयुक्त युद्धाभ्यास किया जा रहा है। भारत में जारी युद्धाभ्यास में एम777 अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर से फायरिंग की गई। एम777 अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर तोपों ने सीधे नजर आ रहे लक्ष्यों को डायरेक्ट फायरिंग पद्धति से निशाना बनाया। इस बीच भारतीय सेना ने 'हर पल सतर्क। हर समय तैयार।' का अपना संदेश दोहराया है। सेना जय से विजय मिशन पर काम कर रही है। भारतीय सेना के मुताबिक राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज एम777 की तोप टुकड़ियों ने बेहद सटीक निशाना साधा। सभी निर्धारित लक्ष्यों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। इस दौरान जवानों ने अपनी पेशेवर दक्षता,

सटीकता और युद्ध के लिए तैयार रहने की क्षमता का प्रदर्शन किया। फायरिंग खत्म होने के बाद अमेरिकी सैन्य दल ने एम777 की तैनाती वाली जगहों का दौरा किया। अमेरिकी सैनिकों ने भारतीय तोप टुकड़ी के अधिकारियों और जवानों से बातचीत की। इस दौरान दोनों सेनाओं के बीच सैन्य अनुभव और बेहतर युद्धक प्रक्रियाओं को लेकर जानकारी का आदान-प्रदान हुआ। यह अभ्यास दोनों देशों के सैनिकों को बिलकुल युद्ध जैसी परिस्थितियों में अभ्यास का अवसर दे रहा है। दोनों देश अपनी क्षमताओं को परखने के साथ-साथ एक-दूसरे के अनुभवों से सीख रहे हैं। दोनों सेनाओं का यह अभ्यास 16 सितंबर को राजस्थान की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में हुआ था। फायरिंग से कुछ दिन पहले यहां एम-777 अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर की तैनाती से जुड़ी गतिविधियों व संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का प्रदर्शन किया था। इन गतिविधि के तहत एम-777 अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर की तैनाती पर व्याख्यान व प्रदर्शन किया गया। इसमें सैन्य कर्मियों की जिम्मेदारियों, तोप की तैनाती की प्रक्रिया और स्थानीय रक्षा के समन्वय से जुड़े पहलुओं को समझाया गया था। दोनों देशों के जवानों को जवाबी गोलाबारी की स्थिति में वैकल्पिक स्थानों पर स्थानांतरण की प्रक्रिया पर बताई गई थी। इसके साथ ही 'शूट एंड स्कूट' अभ्यास किया गया। इस प्रक्रिया में निर्धारित कार्रवाई के बाद तोप को तेजी से उसकी स्थिति से हटाने की क्षमता पर जोर दिया जाता है। इस गतिविधि ने भारतीय और अमेरिकी सेना के जवानों को एक-दूसरे के अनुभवों और कार्यप्रणालियों को समझने का अवसर दिया। दोनों पक्षों के सैन्य कर्मियों के बीच संवाद हुआ और सैन्य अभियानों से जुड़े बेहतर तौर-तरीकों का आदान-प्रदान किया गया।

गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच युद्धाभ्यास का 22वां संस्करण उत्तराखंड के बर्फीले पहाड़ी क्षेत्र औली से लेकर राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज तक एक साथ जारी है।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार छोटे शहरों तक हो : वी. श्रीनिवास

एजेंसी

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य केवल नए अस्पताल बनाने तक सीमित नहीं है। राज्य को ऐसा सशक्त और एकीकृत स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना होगा, जिसमें सुलभता, गुणवत्ता, किफायती उपचार, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित मानव संसाधन और संस्थागत विश्वास का समावेश हो। प्रत्येक स्वास्थ्य नीति, संस्था, तकनीक और निवेश के केन्द्र में रोगी तथा उसका कल्याण होना चाहिए। मुख्य सचिव जयपुर में एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (इंडिया) के राष्ट्रीय नेतृत्व सम्मेलन-2026 के समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'अगले दशक के लिए राजस्थान की स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण' विषय पर राज्य की भावी स्वास्थ्य कार्ययोजना प्रस्तुत की। श्रीनिवास ने कहा कि विकसित राजस्थान-2047 के संकल्प में सभी नागरिकों को सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया है।

वाराणसी में मारा गया 30 लाख का इनामी नक्सली बृजेश गंझू

वाराणसी। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने रविवार सुबह वाराणसी के रामनगर थाना क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान 30 लाख रुपये के इनामी कुख्यात नक्सली बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह को मार गिराया। बृजेश झारखंड के प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) का कमांडर बताया गया है। वह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जुड़े आतंकवादी वित्तपोषण के मामले में करीब आठ वर्षों से वांछित था। एटीएस के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) विपिन राय के मुताबिक, टीम को सूचना मिली थी कि बृजेश मोटरसाइकिल से रामनगर होते हुए मुगलसराय की ओर जाने वाला है। सूचना के आधार पर एटीएस की टीम ने इलाके में घेराबंदी की। कुछ देर बाद मोटरसाइकिल से पहुंचे बृजेश को टीम ने रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने दोनों हाथों से पिस्टल से पुलिस टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने विदिशा में किया जिला समृद्धि मॉडल परियोजना का शुभारंभ

विदिशा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांवों को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में एक नई पहल के रूप में विदिशा से जिला समृद्धि मॉडल परियोजना का पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुभारंभ हुआ। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार देर शाम विदिशा के रविन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में परियोजना का शुभारंभ किया।इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांवों को गरीबी से मुक्त करने के उद्देश्य से इस नई पहल की शुरुआत विदिशा जिले से की जा रही है। इसका मूल उद्देश्य गांवों में रहने वाले परिवारों की आय में वृद्धि करना तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध कराना है। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विदिशा जिले को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'समृद्ध विदिशा' मॉडल शुरू किया गया है। एक किसान के पास कम से कम दो आय के साधन होने चाहिए, ताकि उसकी कमाई बढ़ सके।

हिंदी युवा नाटकारों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही:सुमन कुमार

नई दिल्ली। संगीत नाटक अकादमी के उप सचिव सुमन कुमार ने यहां कहा कि हिंदी युवा नाटकारों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, जो हर्ष की बात है। कुमार ने यह बात शनिवार को दिल्ली स्थित श्री राम सेंटर के सामने संजना बुक्स के स्टॉल 'साहित्य के पेड़' पर आयोजित वरिष्ठ रंगकर्मी एवं नाटककार आलोक शुक्ला के चौथे नाट्य संग्रह 'पतझड़ के फूल और देखोना' पुस्तक का लोकार्पण के अवसर पर कही। किताब का लोकार्पण वरिष्ठ नाटककार प्रताप सहगल, नाटककार एवं समीक्षक राजेश कुमार, संगीत नाटक अकादमी के उप सचिव सुमन कुमार, रंग निर्देशक प्रदीप बाजपेयी, वरिष्ठ लेखिका शशि सहगल, अभिनेता श्रीकांत वर्मा, नाटककार अनिल ठाकुर तथा संजना बुक्स की निदेशक संजना तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। सुमन कुमार ने हिंदी में नए नाटक नहीं लिखे जाने वाली आम धारणा को खारिज करते हुए कहा कि आलोक शुक्ला जैसे रचनाकार निरंतर सक्रिय हैं और रंगकर्मियों को इन समकालीन नाटकों को मंच पर लाना चाहिए।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राहुल गांधी के कार्यक्रम पर साधा निशाना, कहा-

तथ्यों के बजाय 'झूठ की गूंज' सुनाई दी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इंदौर में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अपने विषय के प्रति हमेशा की तरह लापरवाह नजर आए और तथ्यों के बजाय 'झूठ की गूंज' सुनाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कार्यक्रम कांग्रेस के एजेंडे के आधार पर जनता के बीच भ्रम फैलाने की दृष्टि से आयोजित किया गया। बच्चों और स्कूल शिक्षा जैसे विषयों पर बात करते समय तथ्यों को सामने रखना जरूरी है, लेकिन राहुल गांधी ने बिना तैयारी के बच्चों और युवाओं से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में लगातार व्यापक कार्य हुआ है। सांदीपनि विद्यालयों सहित विभिन्न योजनाओं और पहलों के परिणामस्वरूप ड्रॉपआउट दर को शून्य तक लाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2002-03 तक प्रदेश में ड्रॉपआउट दर लगभग 16 प्रतिशत थी। वर्ष 1956 से

2002-03 तक प्रदेश में अधिकांश समय कांग्रेस की सरकार रही। उस समय स्कूल शिक्षा का बजट लगभग दो हजार करोड़ रुपये था, जबकि आज यह बढ़कर 38,658 करोड़ रुपये हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में क्या बच्चों को गणवेश, आवागमन के लिए साइकिल, मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और स्कूटी जैसी सुविधाएं मिलती थीं? आज मध्यप्रदेश सरकार विद्यार्थियों की शिक्षा, सुविधाओं और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 1956 से 2002-03 तक प्रदेश में केवल 5 मेडिकल कॉलेज थे। अटल जी की सरकार के समय प्रदेश को एक और मेडिकल कॉलेज मिला। आज प्रदेश में 33 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। मेडिकल कॉलेजों में लगभग 680 सीटों से बढ़कर आज 7 हजार से अधिक सीटें हो गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 1956 से 2002-03 तक प्रति व्यक्ति आय लगभग 11 हजार रुपये थी, जो आज बढ़कर 1.59 लाख रुपये हो गई है। इसी प्रकार वर्ष 2002-03 तक प्रदेश में लगभग 5 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता थी, जो आज लगभग 32 हजार मेगावाट हो गई है। उन्होंने कहा कि रोजगार के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है। पुलिस विभाग में लगभग 18 हजार पदों पर भर्ती की जा रही है, जिनमें करीब 10 हजार युवाओं को प्रशिक्षण देकर पुलिस सेवा से जोड़ा जा चुका है।

'लोकतंत्र में हार-जीत चलती रहती है'

डुसू चुनाव नतीजों पर बोले कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला

एजेंसी

अमृतसर। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डीयूएसयू) चुनाव के परिणामों और उसमें कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रदर्शन को लेकर अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला की प्रतिक्रिया सामने आई है। बातचीत करते हुए उन्होंने चुनाव नतीजों को सहजता से स्वीकार किया और कहा कि लोकतंत्र में चुनावी हार और जीत एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में एनएसयूआई को मिले झटके को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में सांसद औजला ने कहा कि छात्र और मतदाता अपनी समझ से निर्णय लेते हैं। लोकतंत्र में जनता या मतदाताओं का जो भी फैसला या जनादेश होता है, उसे पूरी विनम्रता से स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनावी परिणाम चाहे पक्ष में हों या विपक्ष में, एक राजनीतिक व लोकतांत्रिक संगठन के रूप में जनता के फैसले का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए और संगठन आगे भी छात्रों के मुद्दों को लेकर काम करता रहेगा। इसी बातचीत के दौरान सांसद औजला ने पंजाब के मौजूदा हालात और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर भी राज्य सरकार पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने राज्य में पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों पर हो रहे हमलों व ग्रेनेड घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश में स्थिति बेहद चिंताजनक हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कमजोर नेतृत्व और प्रशासनिक विफलता के चलते अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। राज्य में हालिया एनकाउंटर की घटनाओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस को अपनी ड्यूटी मुस्तैदी से निभानी चाहिए और कानून का उल्लंघन करने वाले अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्हें कानून के तहत सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। इसके साथ ही, विश्व शांति दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित शांति यात्रा के संदर्भ में उन्होंने कहा कि आज के दौर में शांति और सद्भाव बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है।

डीपीएनजी से जुड़ें आम नागरिक, स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा को मिलेगा बढ़ावा : विनय पाटनी

एजेंसी

जयपुर। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक विनय पाटनी ने कहा है कि केन्द्र व राज्य सरकार का फोकस एलपीजी कनेक्शनों को डीपीएनजी कनेक्शनों में शिफ्ट करना है इसके लिए आरएसजीएल सहित सीजीडी संस्थाओं द्वारा आधारभूत संरचना के तेजी से विस्तार और विस्तारित क्षेत्र में प्राथमिकता से डीपीएनजी सहित औद्योगिक व व्यावसायिक कनेक्शन जारी करने के समन्वित प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने आमनागरिकों से डीपीएनजी सुविधा से जुड़ने का आग्रह किया। एमडी विनय पाटनी ने आरएसजीएल के 14 वें स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि हरित और स्वच्छ उर्जा के साथ ही डीपीएनजी सुरक्षित, सहज उपलब्ध और 24 गुणा 7

सेवा सुविधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सीजीडी संस्थाओं द्वारा करीब 2 लाख परिवारों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ा जा चुका है। आरएसजीएल द्वारा गत तीन माह में ही करीब 4500 नए परिवारों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ा है। 66 व्यावसायिक कनेक्शन जारी किये हैं।

आरएसजीएल के उप महाप्रबंधक सीपी चौधरी, विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि घरेलू डीपीएनजी कनेक्शन जारी करने के साथ ही हॉस्टल्स, होटल्स, मल्टीस्टोरी बिल्डिंग्स, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ने के लिए प्राथमिकता से संरचना विकसित की जा रही है और उपलब्ध संरचना क्षेत्र में कनेक्शन जारी किये जा रहे हैं। आरएसजीएल के मुख्य वित अधिकारी दीप्तांशु पारीक और उपप्रबंधक आईटी गगनदीप राजोरिया, सीएस विनिता सोनी, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र शर्मा स अधिकारी व कार्मिकों ने भी वर्चुअली हिस्सा लिया।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री और जिला अधिकारियों ने वायु प्रदूषण को कम करने के उपायों की समीक्षा की

बैठक में कई स्तरों वाली प्रवर्तन रणनीति की रूपरेखा तैयार की गई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने चार जिला मजिस्ट्रेटों के साथ वायु प्रदूषण से निपटने के उपायों पर अलग-अलग समीक्षा बैठकें कीं। इन बैठकों में आने वाले महीनों में हवा की गुणवत्ता में सुधार लाने पर जोर दिया गया। एक बयान के अनुसार, मंत्री ने अधिकारियों के साथ जिला-स्तरीय रणनीतियों पर चर्चा की। इसमें प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करना, सुधारात्मक उपायों में तालमेल बिठाना और हवा की गुणवत्ता में स्थायी सुधार लाना शामिल था। बयान में कहा गया है कि बैठक में कई स्तरों वाली प्रवर्तन रणनीति की रूपरेखा तैयार की गई। इसमें जमीनी स्तर पर निगरानी करने वाली समर्पित टीमें, चौबीसों घंटे निगरानी, हॉटस्पॉट-विशिष्ट उपाय और धूल प्रदूषण, बायोमास जलाने, अनधिकृत औद्योगिक गतिविधियों और प्रदूषण के अन्य स्थानीय स्रोतों के खिलाफ समन्वित कार्रवाई शामिल है। सिरसा ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि वे एक्यूआई निगरानी स्टेशनों से मिलने वाले डेटा के आधार पर प्रदूषण हॉटस्पॉट की पहचान करें

और उन्हें मैप करें। बयान के अनुसार, इन जगहों का आकलन कई स्रोतों के आधार पर किया जाएगा, जिनमें सड़क की धूल, ट्रैफिक जाम, वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण और तोड़-फोड़ की गतिविधियां, अनधिकृत पार्किंग, खुली या बिना ढकी जगहें, बायोमास और कचरा जलाना, तथा प्रदूषण के अन्य स्थानीय कारण शामिल हैं। अधिकारी हर हॉटस्पॉट की जांच एक खास तरीके से करेंगे, जिसमें 3 किलोमीटर के दायरे में प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियां भी शामिल होंगी, जहां भी यह लागू हो। इसके आधार पर, प्रदूषण कम करने के उपाय, जिम्मेदार एजेंसी और समय-सीमा बताते हुए एक एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा।

संबंधित विभागों और एजेंसियों से 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' (एटीआर) भी मांगी गई, जिसमें उठाए गए कदम, मौजूदा स्थिति, जगह, सबूत, लंबित मुद्दे और काम पूरा करने की समय-सीमा की जानकारी हो। मंत्री अगले 15 दिनों में प्रगति की समीक्षा करेंगे। सिरसा ने पूर्वी, उत्तर-पूर्वी, दक्षिण-पूर्वी और दक्षिणी जिलों के अधिकारियों के साथ अलग-अलग समीक्षा बैठकें कीं। इन बैठकों में इलाके के विधायक, जिला मजिस्ट्रेट (डीएम), पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), एमसीडी के उपायुक्त और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। बैठकों के दौरान, अधिकारियों ने जिले के हिसाब से रोडमैप तैयार करने और हवा के प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों से निपटने के लिए जमीनी स्तर पर कार्रवाई को मजबूत करने पर चर्चा की।

डूसू चुनाव में 3-0 से जीत को एबीवीपी ने बताया जेनजी की जीत

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव 2026 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने तीन प्रमुख पदों पर जीत दर्ज की। अध्यक्ष पद पर यश डबास, सचिव पद पर रिया छावड़ी और संयुक्त सचिव पद पर लक्ष्यराज सिंह विजयी रहे। सचिव पद पर जीत हासिल करने वाली रिया छावड़ी ने बातचीत में कहा कि यह जेन जी की जीत है और ऐसी सोच की जीत है, जो विकसित भारत और राष्ट्रवाद से जुड़ी है। यह उन युवाओं की जीत है, जिन्हें भ्रमित करने की लगातार कोशिश की गई। रिया छावड़ी ने जीत पर खुशी जताते हुए संगठन, छात्रों, अपनी टीम और परिवार के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जेन जी से जुड़े विभिन्न विरोध-प्रदर्शनों के बीच भी युवाओं का समर्थन एबीवीपी के साथ रहा, जिसके कारण संगठन ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की।डूसू अध्यक्ष पद पर चुनाव जीतने वाले यश डबास ने कहा कि मैं खुद जेन जी हूं और झूठी बातें फैलाने वालों के लिए यह एक साफ संदेश है। जेन जी देश के साथ है और जेन जी एबीवीपी के साथ है।

उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी पीजी और हॉस्टल का सेफ्टी ऑडिट करवाना होगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी छात्र के साथ सत्य निकेतन जैसी घटना न हो, इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। यश डबास ने हॉस्टल में बेड की क्षमता का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय के हॉस्टलों में बेड की क्षमता करीब 5,700 थी, जो अब बढ़कर 12,000 से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद इस क्षमता को बढ़ाकर एक लाख छात्रों तक पहुंचाने की दिशा में काम करने की मांग जारी रखेगी।

आरपीएफ स्थापना दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्री गडकरी और सीएम योगी समेत कई नेताओं ने दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की स्थापना दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई नेताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया, 'रेल यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध आरपीएफ के जवानों को रेलवे सुरक्षा बल के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा गया, 'राष्ट्र की जीवन रेखा 'भारतीय रेल' एवं करोड़ों यात्रियों की सुरक्षा में रत 'रेलवे सुरक्षा बल' के स्थापना दिवस पर सभी वीर जवानों और उनके परिजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। 'यशो लभस्व'

सूत्रवाक्य आपकी सत्यनिष्ठा, अटूट समर्पण व कर्तव्यपरायणता का प्रतीक है। हमें आप पर गर्व है। 'हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के स्थापना दिवस पर देश की रेल सुरक्षा में समर्पित सभी वीर जवानों को हार्दिक बधाई एवं राष्ट्रसेवा के प्रति आपके समर्पण को नमन। ' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'रेलवे सुरक्षा बल के स्थापना दिवस पर आरपीएफ के सभी जवानों और उनके परिवारजनों को हार्दिक शुभकामनाएं। करोड़ों रेल यात्रियों की सुरक्षा हो, संकट में किसी यात्री की सहायता हो या रेलवे संपत्तियों की रक्षा, आरपीएफ के हमारे जवान सदैव सेवा और कर्तव्य की भावना से तत्पर रहते हैं। आपकी सजगता, साहस और सेवाभाव सुरक्षित रेल यात्रा के प्रति देश के विश्वास को और मजबूत करते हैं। ' राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'अविचल दृढ़ता, निरंतर सतर्कता और सतत प्रयास से भारतीय रेल यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने में तत्पर 'रेलवे सुरक्षा बल' के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं! रेलवे की सुरक्षा एवं यात्रियों की सेवा में आरपीएफ जवानों का समर्पण, साहस और कर्तव्यनिष्ठा सराहनीय है। आपकी सजगता और प्रतिबद्धता भारतीय रेल को सुरक्षित एवं सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। '

पत्रकार पायल मेहता की मौत पर पीएम मोदी और रक्षा मंत्री समेत कई नेताओं ने जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार पायल मेहता के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने शोक जताया है। जानकारी के अनुसार, मुंबई यात्रा के दौरान पायल मेहता को बेचैनी महसूस हुई। शनिवार और रविवार की मध्य रात्रि करीब 2 बजे उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इलाज शुरू होने से पहले ही उनकी मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'पायल मेहता एक मेहनती पत्रकार थीं जो जमीन से जुड़ी रहीं और अपनी रिपोर्टिंग में राष्ट्रीय मुद्दों की गहरी समझ लेकर आईं। अपने काम के अलावा, उन्हें उस दयालुता और स्नेह के लिए याद किया जाएगा जिसके साथ उन्होंने इतने सारे लोगों के जीवन को प्रभावित किया। उनका अचानक और असमय निधन बेहद दुखद है। उनके परिवार, दोस्तों और सहयोगियों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

ईश्वर उन्हें इस कठिन समय में हिम्मत दे। ओम शांति। ' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, 'पत्रकार पायल मेहता के असमय निधन की खबर सुनकर गहरा सदमा और दुख हुआ। वह बहुत जल्दी हमें छोड़कर चली गईं। पायल एक बेहद मेहनती और समर्पित पत्रकार थीं, जिन्होंने पूरी निष्ठा और प्रोफेशनलिज्म के साथ संसद की कार्यवाही को कवर किया। संसद सत्र के दौरान, वह सुबह से देर रात तक मौजूद रहती थीं, बिना थके कार्यवाही पर नज़र रखती थीं और अद्भुत समर्पण के साथ अपना काम करती थीं। इस मुश्किल घड़ी में उनके परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति दे। ओम शांति। '

शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'पायल मेहता के असमय निधन से मुझे गहरा सदमा और दुख पहुंचा है। पायल को उनके शांत स्वभाव, पत्रकारिता के प्रति गहरी समझ, सोच-समझकर पूछे गए सवालों और अपने काम के प्रति उनकी ईमानदारी के लिए याद किया जाएगा। संसदीय मामलों से जुड़े मेरे कार्यकाल के समय से ही हमारी लंबी बातचीत हुआ करती थी। पत्रकारिता में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके परिवार, दोस्तों और सहयोगियों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ। ईश्वर उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति और साहस प्रदान करें। ' रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट किया, 'पत्रकार और प्रिय मित्र पायल मेहता के असामयिक निधन से गहरा दुख हुआ है। रिपोर्टिंग के प्रति उनका समर्पण अनुकरणीय था। ' असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा, 'मुंबई में पत्रकार पायल मेहता के निधन की खबर सुनकर गहरा सदमा लगा और बहुत दुख हुआ। मैं उन्हें लंबे समय से जानता था। वह बहुत जिंदादिल थीं और जो भी काम करती थी।

सरनेम धारण करने से जिम्मेदारी और परिपक्वता नहीं आती : गजेन्द्र सिंह शेखावत

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और कहा कि किसी का सरनेम धारण कर लेने भर से उस सरनेम से जुड़ी विरासत, परिपक्वता और जिम्मेदार आचरण हासिल नहीं किया जा सकता। रविवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी ने अपने ही देश के प्रधानमंत्री को लेकर जिस तरह की गैर-जिम्मेदाराना हरकतें सार्वजनिक मंच पर कीं, वह अशोभनीय भी हैं और निंदनीय भी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के पुराने व्यवहार को देखते हुए उनका यह आचरण कोई नई बात नहीं है। शेखावत ने कहा कि आप सरनेम किसी से चुरा सकते हो, लेकिन उस सरनेम के साथ जुड़ी लीगेसी, परिपक्वता और

जिम्मेदारीपूर्ण आचरण का व्यवहार केवल सरनेम धारण करने से हासिल नहीं कर सकते। कांग्रेस द्वारा नगर निगम चुनाव में हाइब्रिड तकनीक के माध्यम से राजेंद्र सोलंकी को उम्मीदवार बनाए जाने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि यह नियम-कायदे के दायरे में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए शायद इसी उद्देश्य से नियमों में संशोधन किया होगा। उन्होंने कहा कि शहर के मतदाता पहले ही अपना मानस व्यक्त कर चुके हैं। नगर निगम बोर्ड के लिए चुने गए सदस्यों ने भी अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। ऐसे में, चुनाव को लेकर जनता और निर्वाचित प्रतिनिधियों की भावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।शेखावत ने हाल में झूठ और अफवाहें फैलाने की कोशिशों को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले भी इस तरह की कोशिश की गई थी। रात में थाना रातानाडा जाकर एक हाईवोल्टेज पॉलिटिकल ड्रामा खड़ा करने का प्रयास किया गया, लेकिन सुबह होते-होते वह पटाखा फुस्स हो गया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक माहौल को अनावश्यक रूप से गरमाने और झूठ-अफवाहों के जरिए भ्रम पैदा करने की कोशिशें जनता के सामने ज्यादा देर तक टिक नहीं सकतीं।

आगामी वर्षों में साढ़े तीन लाख से अधिक शासकीय भर्तियां की जाएंगी

नीमच में शीघ्र शुरू होगा एयरपोर्ट, सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम का होगा निर्माण : मुख्यमंत्री

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नीमच में शीघ्र ही एयरपोर्ट बनाया जायेगा। साथ ही खेल सुविधाओं में विस्तार के लिये सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम बनाया जायेगा। प्रदेश में पिछले ढाई वर्षों में एक लाख से अधिक भर्तियां की गई हैं। आगामी ढाई वर्षों में साढ़े तीन लाख से अधिक भर्तियां और की जायेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज नीमच के अग्रोहा भवन में आयोजित सेवा से संकल्प अभियान के अभिनंदन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी और देश को विकास के पथ पर आगे ले जाने में उनके योगदान का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में सेवा से संकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत सभी जिलों में सेवा, जनभागीदारी और जनकल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि संकल्प से ही शक्ति और विकास का मार्ग प्रशस्त होता है तथा प्रदेश सरकार इसी भावना के साथ निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीमच के विकास, नागरिकों के जुझारूपन और उद्यमशीलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को आयोजित 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम सनातन परंपरा और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश का शिक्षा बजट लगभग 5 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 38 हजार करोड़ रुपये तथा प्रदेश का कुल बजट बढ़कर 4 लाख 48 हजार करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में ड्रॉपआउट रेट शून्य होने को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय एक लाख 70 हजार रुपये से अधिक हो गई है तथा बिजली

उत्पादन 32 हजार मेगावॉट से अधिक पहुंच गया है। वर्ष 2002 में प्रदेश में लगभग 5 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि वर्तमान में 33 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जिनमें करीब 8 हजार सीटें उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में विगत वर्षों में 5 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण हुआ है तथा प्रमुख शहरों की कनेक्टिविटी एक्सप्रेस-वे के माध्यम से बेहतर की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल सुविधाओं के विस्तार से जिले के युवाओं और प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज चीता प्रोजेक्ट के तहत नीमच के खिमला क्षेत्र में मादा चीता को छोड़ा जा रहा है। उन्होंने इसे जिले के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व के अग्रणी देशों की कतार में है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तथा न्यायपालिका एवं संवैधानिक संस्थाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं समझौतों में भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों और किसानों के हितों को प्राथमिकता दी है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक भूमिका निरंतर मजबूत हुई है और देश प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि जिले में 2 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलित कर सेवा से संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का नीमच को विभिन्न सौगातें देने तथा चीता प्रोजेक्ट के तहत नीमच को चयनित करने के लिए आभार व्यक्त किया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल से की मुलाकात, जताया आभार

स्टाइपेंड वृद्धि को लेकर मध्यप्रदेश के इंटर्न डॉक्टरों ने

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश के इंटर्न डॉक्टर के स्टाइपेंड में वृद्धि किए जाने के निर्णय के लिए आज मध्यप्रदेश के इंटर्न डॉक्टरों की ओर से उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल का आभार व्यक्त किया।इंटर्न डॉक्टरों के प्रतिनिधि डॉ. साकेत रायपुरिया एवं करण पटेल ने अपने डीन एवं सुपरिटेंडेंट सर के साथ उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के रीवा निवास पर पहुंचकर उनका धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इंटर्न डॉक्टरों ने कहा कि स्टाइपेंड वृद्धि की मांग को गंभीरता से लेते हुए सरकार द्वारा सकारात्मक पहल किए जाने से प्रदेश के हजारों इंटर्न डॉक्टर को राहत मिली है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए सभी इंटर्न डॉक्टरों ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर इंटर्न डॉक्टरों ने कहा कि सरकार द्वारा चिकित्सा विद्यार्थियों एवं युवा चिकित्सकों की समस्याओं को समझते हुए किए गए इस निर्णय से उनका मनोबल बढ़ा है। उन्होंने भविष्य में भी चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर इसी प्रकार के सहयोग एवं सकारात्मक संवाद की अपेक्षा व्यक्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैहर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को नीमच से वर्चुअली संबोधित किया

ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को प्रोत्साहित कर किसानों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित किए जा रहे है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मैहर धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण केंद्र है। प्रदेश सरकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास के लिए विशेष रूप से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस से प्रारंभ सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास और कल्याण का संदेश पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा किसान, महिला, युवा और कमजोर वर्गों को विकास की प्राथमिकता में रखा गया है। इन वर्गों के सशक्तिकरण से संपूर्ण समाज की प्रगति सुनिश्चित होती है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में किसान कल्याण वर्ष मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि उपज मंडी मैहर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में नीमच से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां शारदा का आशीर्वाद पूरे विंध्य, मध्यप्रदेश और देशवासियों पर सदैव बना रहता है। मां शारदा की पावन नगरी मैहर को जिला बने लगभग तीन वर्ष हुए हैं और इतने कम समय में मैहर ने अपनी अलग पहचान स्थापित की है। उन्होंने जिले के स्थानीय निवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को जनकल्याण और विकास कार्यों में निरंतर सहयोग के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को रात के समय खेतों में बिजली के कारण होने वाले परेशानी से मुक्ति दिलाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्य सरकार आगामी रबी फसल से किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली सिंचाई के लिए उपलब्ध कराएगी। बिजली व्यवस्था के विस्तार और सुधार से किसानों के घरों में समृद्धि आएगी और उनकी आय

में वृद्धि होगी। सरकार किसानों की सुविधा, सुरक्षा और समृद्धि के लिए निरंतर काम कर रही है। स्लीमनाबाद टनल के आगामी समय में शुरू होने से क्षेत्र में जल उपलब्धता और कृषि गतिविधियों को नयी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि माँ नर्मदा के जल से माँ शारदा की नगरी में अभिषेक का संकल्प क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है और इससे किसानों के जीवन में समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि किसानों को उपज बेचने में अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसके लिए तैयारियां समय पर पूरी की जा रही है। सरकार धान की खरीदी किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करेगी। उन्होंने कहा कि किसानों को केवल न्यूनतम समर्थन मूल्य तक सीमित लाभ न मिले, बल्कि उन्हें उनकी उपज का बेहतर मूल्य और आवश्यकतानुसार बोनस सहित अन्य लाभ उपलब्ध कराने की दिशा में भी सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि के साथ पशुपालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन और दुग्ध उत्पादन जैसी गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को प्रोत्साहित कर किसानों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पशुपालन और गौ-पालन सनातन संस्कृति से भी जुड़ा हुआ है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर पर सरकार का विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने पर भी लगातार काम कर रही है। सांदीपनी विद्यालयों के माध्यम से सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिक्षा के साथ विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाना भी सरकार की प्राथमिकता है। मजबूत शिक्षा व्यवस्था और रोजगार के नए अवसर प्रदेश के युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैहर के पर्यटन और धार्मिक महत्व को देखते समुचित विकास किया जा रहा है। मां शारदा लोक का निर्माण इसी दिशा में सरकार का प्रयास है। मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी मैहर जिले में वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा देगी। मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी मैहर जिले में रहेगा जिससे स्थानीय अर्थव्यस्था को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन बढ़े, रोजगार के अवसर बढ़ें और स्थानीय किसानों एवं ग्रामीणों को भी इसका लाभ मिले–इसी दिशा में सरकार कार्य कर रही है।

आईटी पार्क रोजगार सृजन की दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजना

उज्जैन में आईटी क्षेत्र के विकास के साथ युवाओं को शिक्षा, कौशल और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। आईटी पार्क एवं इंजीनियरिंग कैंपस के माध्यम से युवाओं को शिक्षा के साथ रोजगार, कौशल विकास और नई तकनीकों से जुडने के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि उज्जैन में आईटी क्षेत्र के विस्तार की दिशा में आईटी पार्क एक महत्वपूर्ण परियोजना है, जो आने वाले समय में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने में सहायक होगी। आईटी पार्क के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर और उज्जैन को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में विभिन्न महत्वपूर्ण विकास कार्य किए जा रहे है। इन विकास कार्यों का उद्देश्य युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तकनीकी नवाचार और उद्योगों के विस्तार को गति देना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई तकनीक और नवाचार के माध्यम

से प्रदेश के प्रदर्शन को और बेहतर बनाया जा सकता है। आईटी क्षेत्र के विस्तार से प्रदेश में नए उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा तथा युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार और कौशल विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। इससे प्रदेश के समग्र विकास को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सभी विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए निगरानी की जा रही है। उज्जैन में आगामी सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए आवश्यक विकास कार्यों को भी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। शहर के विकास, आधुनिक अधोसंरचना, तकनीकी सुविधाओं और युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि के लिए राज्य सरकार समन्वित रूप से कार्य कर रही है। आईटी पार्क परियोजना का निर्माण दो चरणों में किया जा रहा है। परियोजना के लिए लगभग 2.16 हेक्टेयर भूमि निर्धारित की गई है। इसमें कुल प्रस्तावित 15,480 वर्गमीटर बिल्ट-अप एरिया का निर्माण किया जाना है। इसमें से 11,436 वर्गमीटर क्षेत्र आईटी कंपनियों के लिए आरक्षित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के निर्धारित मापदंडों का पालन सुनिश्चित करते हुए सभी कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं।

गरिमा और सम्मान के साथ मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस

सामाजिक न्याय मंत्री कुशवाह ने दिए प्रदेशभर में गरिमापूर्ण आयोजन के निर्देश

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायन सिंह कुशवाह ने एक अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस प्रदेशभर में गरिमा और सम्मान के साथ मनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों ने अपने ज्ञान, अनुभव और परिश्रम से परिवार, समाज तथा राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण जीवन के लिए संवेदनशील एवं सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना हम सभी का दायित्व है। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन बनकर न रह जाएं। इनमें वृद्धजनों की अधिकतम और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए उनके साथ संवाद किया जाए तथा उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं के निराकरण की दिशा में सार्थक पहल की जाए। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण आयुक्त श्री के.जी. तिवारी ने सभी जिला कलेक्टरों, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा विभागीय संयुक्त और उप संचालकों को इस संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। वर्ष 2026 में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की निर्धारित थीम ÷गरिमा के साथ वृद्धावस्था÷ वृद्ध नागरिकों के लिए देखभाल और समर्थन प्रणालियों को मजबूत करने का महत्व÷ के अनुरूप जिलों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वृद्धाश्रमों में निवासरत तथा अन्य वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान एवं अभिनंदन किया जाएगा। उनसे संवाद कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी ली जाएगी। वृद्धजनों की सक्रिय सहभागिता और मनोरंजन के लिए कैरम, लूडो, शतरंज, गीत-संगीत तथा अन्य इंडोर गतिविधियां और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

शतायु वृद्धजनों का होगा सम्मान, स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आयोजित होंगी विभिन्न गतिविधियां

अनुभव आधारित एवं विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा से ही होगा व्यक्तित्व का समग्र विकास - 'अनुभवात्मक अध्यापक विकास कार्यक्रम' का शुभारंभ

विद्यार्थी को समग्रता से समझकर उसके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना ही शिक्षा का ध्येय : मंत्री परमार

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी को समझकर उसके व्यक्तित्व का समग्र विकास करना है। जिस प्रकार परिवार में बच्चों के स्वभाव, रुचि, आदतों और व्यवहार को समझकर उनके साथ व्यवहार किया जाता है, उसी प्रकार प्राध्यापकों को भी विद्यार्थियों की रुचि, क्षमता और आवश्यकताओं को समझते हुए शिक्षण करना चाहिए। विद्यार्थी को समग्रता से समझे बिना शिक्षा अपने व्यापक उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकती। मंत्री श्री परमार रविवार को भोपाल स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के सभागृह में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित अनुभवात्मक अध्यापक विकास कार्यक्रम (पश्चिम क्षेत्र, भोपाल

केंद्र) के क्षेत्रीय प्रशिक्षण-सह-अभिमुखीकरण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लिए सामूहिक शक्ति और संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। शिक्षा के क्षेत्र में अनुभव के आधार पर शिक्षण-पद्धतियों का निरंतर विकास समय की आवश्यकता है। प्राध्यापक केवल विषय का ज्ञान प्रदान करने तक सीमित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, संवेदना, कौशल और जीवन-मूल्यों के विकास में सहभागी बनें। अनुभवात्मक शिक्षण विद्यार्थियों को ज्ञान को जीवन से जोड़ने और उसे व्यवहार में उतारने की क्षमता प्रदान करता है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि अनुभव से सीखना, विद्यार्थी को समझना और शिक्षा को जीवन से जोड़ना - यही ऐसी शिक्षा का आधार है, जो विद्यार्थी के ज्ञान के साथ उसके व्यवहार, संवेदना, कौशल और व्यक्तित्व का भी विकास करती है। शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में सीखने की जिज्ञासा, जीवन-मूल्यों और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना भी है।

79वें संत समागम की सेवाओं का मंगलमय आगाज, सेवा बनी समर्पण की साधना

हर हृदय से हो सेवा और मानवता का शुभारम्भ - निरंकारी राजपिता रमित जी

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

विविधताओं से सजे इस संसार में हमारे रूप, भाषाएँ और जीवन-शैलियाँ भले ही अलग हों, किंतु इन बाहरी भिन्नताओं के पीछे बसने वाली चेतना एक ही है। हम सभी इसी परमात्मा की संतान हैं, जिन्हें सतगुरु ने प्रेम के अदृश्य सूत्र में बाँधकर मानवता को एकता का संदेश दिया है। संत निरंकारी मिशन इसी भावना को 'वसुधैव कुटुम्बकम' -'समस्त संसार एक परिवार' के रूप में जीवन्त कर रहा है, जहाँ प्रेम केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन जीने की शैली को दर्शाता है। 79वां वार्षिक निरंकारी संत समागम परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में 23 से 26 अक्टूबर 2026 तक संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा, हरियाणा में श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा, जिसमें आत्मिक चेतना और मानव-एकता के संदेश को हृदय में संजोए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु भक्त सम्मिलित होंगे। सतगुरु के दिव्य दर्शन एवं पावन प्रवचनों से श्रद्धालु आत्मिक शांति प्राप्त करते हुए अपने जीवन में प्रेम, सेवा, करुणा और मानवता के भाव को अपनाने की प्रेरणा प्राप्त करेंगे। समागम की सेवाओं का शुभारम्भ आज श्रद्धा, समर्पण और सेवाभाव से परिपूर्ण वातावरण में हुआ। निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन कर-कमलों से सेवा स्थल का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मिशन की कार्यकारिणी समिति, केंद्रीय सेवादल के अधिकारीगण तथा हजारों श्रद्धालु भक्तों ने प्रेम और निष्ठा के साथ सेवा में सहभागिता निभाई। संत निरंकारी मण्डल की अध्यक्ष आदरणीय

राजकुमारी 'मामी जी' एवं संत निरंकारी मण्डल के सचिव आदरणीय श्री जोगिन्दर सुखीजा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर निरंकारी राजपिता जी का हार्दिक अभिनंदन किया। यह पावन अवसर सेवा को साधना और समर्पण को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा से ओत-प्रोत रहा। 79वें समागम की सेवाओं के शुभारम्भ अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए निरंकारी राजपिता जी ने सतगुरु माता जी के प्रेम एवं आशीर्वाद को संतों तक पहुंचाते हुए फरमाया कि संत समागम की सेवाओं का यह विशाल स्वरूप असंख्य संतों की निस्वार्थ सेवा, त्याग और समर्पण का परिणाम है। यह हमें प्रेरणा देता है कि हमारे जीवन में भी सेवा और परोपकार का भाव आए। मानव तन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के सुख-दुःख में सहभागी बनने के लिए मिला है। सेवा में जब 'मैं' का भाव समाप्त होकर 'हम' का भाव आता है, तभी उसका वास्तविक अर्थ प्रकट होता है। सतगुरु का ज्ञान ही वह जागृति है, जो हमारी दृष्टि बदलकर हर मानव में निरंकार का स्वरूप देखने की प्रेरणा देता है। जब मानव, मानव से प्रेम और सत्कार करेगा, तो यह धरती और सुंदर बनेगी। सतगुरु से यही अरदास है कि हम मानव रूप में ही नहीं, बल्कि अपने कर्मों और व्यवहार से भी सच्चे मानव बन सकें। इस वर्ष संत समागम का शीर्षक 'जागृति' है, जो मनुष्य को बाहरी संसार से हटकर अपने भीतर झाँकने और अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने की प्रेरणा देता है।

बेबी को नहलाते वक्त किन 5 बातों का जरूर रखें ध्यान, डॉक्टर से जानें

बेबी को नहलाते समय कुछ लोग काफी डरते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कहीं पानी नाक या मुंह में न चला जाए, लेकिन हाइजीन मेंटेन रखने के लिए बाथ कराना जरूरी है. जानें बच्चे को नहलाने में क्या सावधानी रखें.

नवजात शिशु की देखभाल करना बेहद सावधानियों भरा काम होता है. शुरुआत में शिशु को हर दिन नहलाना जरूरी नहीं होता है, लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा होता है तो हफ्ते में कम से कमी तीन बार नहलाने की जरूरत पड़ती है. खासकर 1 या 2 महीने नहलाते वक्त आपको ज्यादा ध्यान रखना चाहिए, जब तक गर्भनाल का स्टंप खुद सूखकर अलग न हो जाए तब तक बच्चों को सीधे पानी में नहलाने से बचना चाहिए. इस दौरान स्पंज बाथ ज्यादा बेस्ट मानी जाती है. इसके बाद भी कम से कम 10 महीने तक के बच्चे को नहलाने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है.पीडियाट्रिशियन डॉक्टर रवि मलिक के मुताबिक, बच्चे को नहलाना एक आम काम लग सकता है, लेकिन कुछ आम गलतियों से बच्चा जल सकता है, उसकी त्वचा में जलन या इन्फेक्शन हो सकता है, या उसके नाक में पानी भी जा सकता है जो बहुत नुकसानदायक होता है. उन्होंने 5 बातें बताई हैं जिनका हर पेरेंट्स को बेबी बाथ के दौरान ध्यान रखना चाहिए.

पानी का टेम्परेचर करें चेक

डॉक्टर रवि मलिक कहते हैं कि बच्चे को नहलाने से पहले हमेशा पानी का तापमान चेक करें. अपनी कलाई या कोहनी से पानी को टेस्ट करके पक्का कर लें कि ये नॉर्मल है या नहीं यानी न ज्यादा गर्म और न ही ज्यादा ठंडा. गर्म पानी से बेबी की त्वचा जल सकती है और ठंडे पानी से हाइपोथर्मिया हो सकता है.

सिर पर पानी डालने में सावधानी

जब आप बच्चे को नहलाते वक्त उसके सिर पर पानी डाल रहे हो तो हमेशा सिर स्ट्रेट होना चाहिए ताकि पानी पीछे की तरफ ही गिरे ये बहते हुए बेबी की नाक या मुंह तक न पहुंचे. नाक से पानी लंग्स में पहुंच सकता है, जिससे बच्चे को काफी परेशानी हो सकती है.

रोज न लगाएं साबुन

डॉक्टर कहते हैं कि बेबी को नहलाते वक्त रोजाना साबुन का इस्तेमाल करने से बचें. बार-बार साबुन लगाने से बच्चे की कोमल त्वचा रूखी हो सकती है और उसमें जलन हो सकती है. दरअसल बच्चे की स्किन पर नेचुरल ऑयल की लेयर होती है और रोज साबुन लगाने से ये तेल हट जाता है, जिससे स्किन ड्राई होने लगती है और इसमें क्रैक पड़ सकते हैं. कुछ दिनों के अंतराल पर अगर साबुन लगा भी रहे हैं तो बिना फ्रेगरेंस वाला सोप ही इस्तेमाल करें.

इन जगहों को अच्छी तरह पोछें

बच्चे को नहलाने के बाद पूरा शरीर अच्छी तरह सुखाना जरूरी होता है. खासकर गर्दन, बगल और जांघों के बीच के हिस्से जैसी जगहों पर पर खास ध्यान दें. इसे अच्छी तरह से पोछें क्योंकि वहां नमी जमा रहने से बच्चे को फंगल इंफेक्शन हो सकता है.

गलती से भी अकेला न छोड़ें

अब छोटे बच्चों को नहलाने के लिए बाजार में कई बाथटब मिल जाते हैं. लेकिन इसमें भी बच्चे को 1 सेकंड के लिए भी गलती से कभी अकेला न छोड़ें. इसी के साथ एक बाथ टब को कभी भी ज्यादा नहीं भरना चाहिए. इससे बच्चे का उसमें फिसलने का डर बहुत ज्यादा रहता है.

ब्रिक्स सम्मेलन : भारत-चीन रिश्तों की अब असली परीक्षा

चीन के साथ रिश्तों में नरमी आने से अमेरिका, यूरोप, जापान या क्वाड के साथ भारत के संबंधों पर असर नहीं पड़ना चाहिए।

चीन के साथ रिश्तों में नरमी आने से अमेरिका, यूरोप, जापान या क्वाड के साथ भारत के संबंधों पर असर नहीं पड़ना चाहिए। भारत को ब्रिक्स, एससीओ, क्वाड, जी-20 और अन्य उपयोगी समूहों में एक साथ सक्रिय रहना चाहिए। भारत के भविष्य के फैसले इनमें से किसी भी रिश्ते के बंधक नहीं हो सकते। यही रणनीतिक स्वायत्तता है। अगले साल चीन ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा।दिल्ली में हाल ही में हुए ब्रिक्स समिट को शायद किसी बहुत दमदार घोषणा के लिए याद न किया जाए लेकिन इस सम्मेलन की वजह से भारत को होने वाले ज़्यादा अहम नतीजे पर ध्यान नहीं जा पाएगा। क्या ब्रिक्स ने भारत-चीन रिश्तों में सुधार की रफ़्तार बढ़ाने में मदद की?भारत की कूटनीतिक कामयाबी यह नहीं थी कि उसने समिट का आयोजन किया क्योंकि वैसे भी ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास ही थी। असल कामयाबी यह थी कि वह ऐसे देशों के बीच एक साझा घोषणापत्र तैयार करवा पाया जिनके हित अक्सर टकराते हैं। तनाव के बावजूद ईरान और यूएई एक ही मेज़ पर बैठ सके, चीन पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने वाली भाषा पर सहमत हो सका और सदस्य देश पश्चिम एशिया में बातचीत पर सहमत हो सके जबकि उनके गुट और झुकाव बिल्कुल अलग-अलग थे। भारत ने 2023 में अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान भी कुछ ऐसा ही किया था जब उसने यूक्रेन मुद्दे पर गहरे मतभेदों के बावजूद आम सहमति वाली भाषा तैयार की थी।यहां हमारे अपने देश के लिए भी एक सबक है। अगर भारत ब्रिक्स के भीतर विरोधाभासों को संभाल सकता है तो वह चीन के साथ अपने कई तरह के रिश्तों में मौजूद विरोधाभासों को क्यों नहीं संभाल सकता?

समिट के दौरान मोदी और शी की मुलाक़ात साझा बयान से कहीं ज़्यादा अहम थी। शी सात साल में पहली बार भारत के दौरे पर आए थे। दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति, व्यापारिक संबंधों, बाज़ार तक पहुंच, व्यापार में संरचनात्मक असंतुलन और आपसी आदान-प्रदान बढ़ाने पर चर्चा की। इसे सुलह कहना बेवकूफी होगी लेकिन यह निश्चित से एक मौका है।भारत और चीन पड़ोसी हैं और दोनों मिलकर दुनिया की एक-तिहाई से ज़्यादा आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। भूगोल को बदला नहीं जा सकता और न ही दोनों के बीच का सीमा विवाद जल्द खत्म होने वाला है। 1988 में डेंग ज़ियाओपिंग ने राजीव गांधी को जो मशहूर सलाह दी थी वह आज भी प्रासंगिक है-%अगर हमारी पीढ़ी में सीमा विवाद को सुलझाने की समझ नहीं है तो इसे आने वाली ज़्यादा समझदार पीढ़ी पर छोड़ देना चाहिए।'इसका मतलब गलवान को भूलना नहीं है जहां 2020 में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। सीमा की मज़बूती से रक्षा की जानी चाहिए लेकिन पूरे रिश्ते को ठप किए बिना सीमा पर तनाव को सीमित रखा जा सकता है।असल में, भारत और चीन पहले से ही अलग-अलग मुद्दों को अलग-अलग रखकर काम कर रहे हैं। बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में उन्होंने पाकिस्तान, रूस और अन्य देशों के साथ मिलकर आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंडों को खारिज करने वाले एक घोषणापत्र का समर्थन किया। अगर एससीओ और ब्रिक्स के भीतर ऐसे विरोधाभासों को संभाला जा सकता है तो उन्हें द्विपक्षीय स्तर पर भी संभाला जा सकता है।

इस तरह की यथार्थवादी सोच के पीछे मज़बूत आर्थिक कारण हैं। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा लगभग 112 अरब डॉलर है। फिर भी हमारी निर्भरता मुख्यरूप से सस्ते खिलौनों पर नहीं है। चीन ज़रूरी एपीआई, इलेक्ट्रॉनिक पुर्ज़े, मशीनरी, सोलर इनपुट और प्रोसेस किए गए अहम खनिज सप्लाई करता है। गलवान के बाद भारत ने चीनी निवेश और तकनीक तक पहुंच को कड़ा कर दिया। फिर भी आयात बढ़ता रहा। राजनीतिक जुड़ाव कम करने की कोशिश से आर्थिक निर्भरता खत्म नहीं हुई।

चीन के प्रति भारत का नज़रिया किसी याचक जैसा नहीं है। चीन की आर्थिक ताक़त ज़बरदस्त है लेकिन उसमें कुछ गंभीर कमज़ोरियां भी हैं। वहां की आबादी बूढ़ी हो रही है, वर्कफ़ोर्स कम हो रहा है, प्रॉपर्टी सेक्टर मुश्किलों में है, कर्ज़ ज़्यादा है, घरेलू खपत कमज़ोर है और ज़रूरत से ज़्यादा इंडस्ट्रियल कैपेसिटी के लिए बाहरी बाज़ारों की ज़रूरत बढ़ रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष को उम्मीद है कि मध्यम अवधि में विकास दर धीमी रहेगी क्योंकि डेमोग्राफ़िक्स, कमज़ोर प्रोडक्टिविटी और निवेश पर घटता रिटर्न असर डालेंगे। इसलिए चीन को भी भारत की ज़रूरत है। राजनीति समाचारभारत दुनिया के सबसे बड़े और तेज़ी से बढ़ते बाज़ारों में से एक है। यहां युवा वर्कफ़ोर्स है और यह चीनी पूंजी के लिए एक विकल्प है जिसे दूसरी जगहों पर बढ़ती रुकावटों का सामना करना पड़ रहा है। सही प्रतिक्रिया यह नहीं है कि %चीन को बाहर रखो', बल्कि यह है कि अगर आप भारतीय बाज़ार तक पहुंच चाहते हैं तो यहां मैन्युफ़ैक्चरिंग करें, यहां लोगों को रोज़गार दें, यहां से ज़्यादा सामान खरीदें और यहीं से एक्सपोर्ट करें।प्रेस नोट 3 प्रतिशत पर बिना सोचे-समझे शक करने के बजाय जोखिम के आधार पर जांच की ओर बढ़ना चाहिए। टेलीकॉम नेटवर्क में चीन की भागीदारी, हाईवे, वेयरहाउस, पानी या सिंचाई प्रोजेक्ट में चीन की सिर्फ़ पूंजी (कैपिटल) लगाने से साफ़ तौर पर और अलग है। इसे अलग-थलग रहकर जुड़ाव (क्वारंटीन्ड एंगेजमेंट) कहा जा सकता है।

चीनी पर्यटकों, बिज़नेस के लिए आने वालों, शिक्षाविदों और इंजीनियरों के लिए वीज़ा प्रक्रिया आसान बनाई जाए। ज़्यादा सीधी उड़ानें फिर से शुरू की जाएं। चीनी पर्यटकों के लिए एक खास तौर पर प्रमोट किया जाने वाला बौद्ध सर्किट-बोधगया, सारनाथ, कुशीनगर और नालंदा-बनाया जाए। संवेदनशील न माने जाने वाले विषयों में यूनिवर्सिटी पार्टनरशिप को फिर से शुरू किया जाए। सिनेमा, खेल और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जाए। मानवता का इतना बड़ा हिस्सा होने वाली दो सभ्यताओं के बीच बातचीत मुख्यरूप से सैनिकों, कस्टम अधिकारियों और राजनयिकों के ज़रिए ही नहीं होनी चाहिए।साथ ही, भारत को चीन के विशाल कंज़्यूमर मार्केट तक पहुंच पाने पर कहीं ज़्यादा ज़ोर देना चाहिए। ट्रेड डेफिसिट (व्यापार घाटे) का समाधान सिर्फ़ चीनी आयात कम करना नहीं हो सकता। इसके बजाय चीन में भारतीय फार्मास्यूटिकल्स, खाद्य उत्पादों, सेवाओं, मनोरंजन और अन्य सामानों की पहुंच बढ़नी चाहिए।

ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस रैंकिंग खराब होने और पाश्चात्य शैली के लोकतांत्रिक संस्थानों की कमी के बावजूद चीन की ज़बरदस्त ग्रोथ यह याद दिलाती है कि उसे वैसा ही समझा जाना चाहिए जैसा वह है, न कि वैसा जैसा थ्योरी कहती है कि उसे होना चाहिए। भारत को न तो चीन की नकल करनी चाहिए और न ही उससे डरना चाहिए। उससे सीखना चाहिए, मुकाबला करना चाहिए और अपनी क्षमताएं विकसित करनी चाहिए- एयरोस्पेस, डिफेंस, सेमीकंडक्टर, ज़रूरी मिनरल्स, फार्मास्यूटिकल्स और खासकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशयल इंटलिजेन्स- एआई) के क्षेत्र में।चीन के साथ रिश्तों में नरमी आने से अमेरिका, यूरोप, जापान या क्वाड के साथ भारत के संबंधों पर असर नहीं पड़ना चाहिए। भारत को ब्रिक्स, एससीओ, क्वाड, जी-20 और अन्य उपयोगी समूहों में एक साथ सक्रिय रहना चाहिए। भारत के भविष्य के फैसले इनमें से किसी भी रिश्ते के बंधक नहीं हो सकते। यही रणनीतिक स्वायत्तता है।अगले साल चीन ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा। अगले बारह महीने एक अनोखा मौका देते हैं।रिश्तों में नरमी के लिए दोस्ती या भरोसे की ज़रूरत नहीं होती। इसके लिए आपसी हित और थोड़ी दूरदर्शिता की ज़रूरत होती है। जहां ज़रूरी हो, वहां सुरक्षा करें। जहां उचित हो, वहां मुकाबला करें। जहां संभव हो, वहां सहयोग करें तथा जुड़ाव से बने समय और मौके का इस्तेमाल मज़बूत बनने के लिए करें।

ब्रिक्स ने शायद रिश्तों की बर्फ़ पिघलाने का काम किया है। भारत और चीन को अब यह देखना चाहिए कि क्या वे उस पल को एक काम के रिश्ते में बदल सकते हैं।

संपादकीय

दर्द देता इलाज

किसी अस्पताल में उपचाराधीन कोई मरीज जब किसी रोग से लड़ रहा होता है तो वह इस स्थिति में नहीं होता कि उपचार में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों व दवा आदि के तार्किक मूल्यों की पड़ताल कर सके। वह यह पूछने की स्थिति में भी नहीं होता कि किसी दवा, सिरिंज या कैथेटर आदि की कीमत जायज है या नाजायज। वैसे भी अस्पताल संचालकों द्वारा संचालित किए जा रहे मेडिकल स्टोरों में वह कीमत को लेकर अपना पक्ष रखने की हालत में नहीं होता। यह विडंबना ही है कि दवा कंपनियां बिचौलियों व मेडिकल स्टोर के मालिकों को लुभाने के लिए दवा की वास्तविक लागत कीमत व कथित एमआरपी में बड़ा फर्क रखती हैं, जिसके चलते दवा विक्रेता मरीजों के तीमारदारों से मनमानी कीमतें वसूल कर मुनाफा कूटते हैं। जिसकी पुष्टि महाराष्ट्र के फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा अस्पतालों में उपयोग किए जाने वाले सामान की कीमतों की राज्यव्यापी पड़ताल के निष्कर्ष करते हैं। फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन महाराष्ट्र के तेजतर्रार कमिश्नर तुकाराम मुंढे की पहल पर किए गये राज्यव्यापी सर्वेक्षण में पाया गया कि एक अस्पताल द्वारा खरीदे गए एक आईवी एन्फ्यूजन सेट की कीमत मात्र 11 रुपये थी और उस पर एमआरपी 325 दर्ज थी, जो वास्तविक कीमत से हजारों फीसदी अधिक थी। एक सिरिंज जिसकी खरीद कीमत 6.7 रुपये थी, उसकी एमआरपी 57 रुपये थी। जबकि 29 रुपये में खरीदा गया कैथेटर 310 रुपये एमआरपी वाला था। निस्संदेह, सप्लाई चेन में भी कुछ खर्च होते हैं, लेकिन अस्पताल व उनके मेडिकल स्टोर इन दवाइयों पर अंधा मुनाफा कमा रहे हैं। यह दुखद ही है कि जहां पहले ही मरीज रोग से पीड़ित होता है, वहां दवाइयों की कीमतों को लेकर पारदर्शिता का अभाव उसके दर्द को बढ़ाने वाला ही होता है। यह उम्मीद जगाने वाली पहल है कि कमिश्नर मुंढे ने एफडीए की पड़ताल के निष्कर्ष और सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी है कि मेडिकल उपकरणों की कीमतों की पड़ताल और मुनाफे की सीमा निर्धारण पर गंभीरता से विचार किया जाए। साथ ही इस बाबत सशक्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाए।इस तरह अब यह महत्वपूर्ण मामला राष्ट्रीय नियामक संस्थाओं के पास है, जिसमें एनपीपीए और फॉर्मास्यूटिकल विभाग आदि शामिल हैं। यह सुखद है कि मामला एक ईमानदार अधिकारी की सख्त पहल के बाद उजागर हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि मरीजों को उलटे उस्तरे से मूंडने का यह खेल दशकों से बदस्तूर जारी है। जिन सरकारों व संबंधित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी इसकी निगरानी की थी, वे निहित स्वार्थों के चलते मूकदर्शक बने रहे हैं। महाराष्ट्र में एफडीए के कमिश्नर का पदभार संभालने के बाद मुंढे ने पूरे राज्य में खाद्य पदार्थों में मिलावट व सेहत के लिए हानिकारक खाद्य पदार्थों के खिलाफ एक जोरदार अभियान चला रखा है। इतना ही नहीं, इस सार्थक पहल के बाद एफडीए ने बड़ी मात्रा में लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाली असुरक्षित खाद्य सामग्री भी जब्त की है। साथ ही खाद्य सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन करने वाले कई नामी प्रतिष्ठानों व तथाकथित दिग्गजों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई है। विडंबना यह है कि खाद्य पदार्थों और चिकित्सा उपयोग में आने वाली वस्तुओं की कीमत व गुणवत्ता की जांच-पड़ताल और इनसे खुद को सुरक्षित रखने की सटीक जानकारी उपभोक्ता के पास नहीं होती है। फिर स्थानीय प्रशासन के लोग सिर्फ खाना-पूर्ति के लिए कभी-कभार छापेमारी करके अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेते हैं। यह शासन-प्रशासन का सामान्य दायित्व है कि अस्पताल में प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं की कीमतें न्यायसंगत व पारदर्शी हों। निस्संदेह उपभोक्ता को वस्तुओं की वास्तविक कीमत की जानकारी दी जानी चाहिए। जहां जरूरी हो, वहां उचित मार्जिन ही लिया जाना चाहिए। निस्संदेह, केंद्र सरकार को मुंढे की रिपोर्ट पर समय रहते उचित कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अस्पतालों में मरीजों के उपचार में काम में आने वाले सामान की स्पष्ट बिलिंग हो। ताकि नाजायज ढंग से मुनाफा कमाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

नई फसल के स्वागत का त्योहार

पशुपालन के बिना खेती अधूरी है। इसमें एक चक्र बना रहता था। फसलों के ठंडल व भूसा, खेत के चारे को पशु खाते थे, खेतों में उनसे जुताई होती थी, उनके गोबर की खाद से खेत की मिट्टी उर्वरक बनती थी। इस तरह टिकाऊ खेती की परंपरा थी। पशुपालन खेती का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हुआ करता था। गाय-बैल को परिवार के सदस्य की तरह उनकी परवरिश की जाती थी।हाल ही में नवाखाई का त्योहार मनाया गया। यह खेती-बाड़ी और कृ षि परंपरा से जुड़ा है। विशेषकर, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में यह त्योहार उत्साह से मनाया जाता है। हमारी खेती-किसानी इस समय संकट से गुजर रही है। ऐसे त्योहार हमें खेती–किसानी, पशुपालन, और प्रकृति के सामंजस्य की याद दिलाते हैं। आज इसी त्योहार के बहाने खेती-किसानी की परंपराओं पर बात करना चाहूंगा, जिससे इसके महत्व को समझा जा सके।नवाखाई का शाब्दिक अर्थ नया खाना है। यह त्योहार धान की नई फसल के स्वागत के लिए मनाया जाता है। नए अन्न की पूजा की जाती है। इस मौके पर किसान खेती के औजारों, जैसे हल-बैल, फसल और खेत की पूजा करते हैं। यह त्योहार ग्रामीण जीवन में खुशी और उम्मीद जगाता है।इस त्योहार में लोग उनकी कुल देवी-देवता की खेतों में पूजा करते हैं और धन-धान्य से भरपूर होने की कामना करते हैं। नवाखाई के एक दिन पहले धान की बालियों के साथ चिवड़ा, और पूजा के फूल पूजा की तैयारी के लिए रख लिए जाते हैं। कुछ जगह चिवड़ा, गुड़ के साथ देवताओं को प्रसाद चढ़ाया जाता है सबको प्रसाद दिया जाता है।छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में नुआखाई का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस मौके पर सिहाड़ी पत्तों का इस्तेमाल भी आम है। इस मौके पर नए चावल से बनी खीर को प्रसाद स्वरूप देवताओं को भोजन चढ़ाया जाता है। सभी लोग नए कपड़े पहनते हैं। इस त्योहार के लिए कई दिनों से तैयारी करते हैं। घरों की साफ-सफाई व लिपाई-पुताई भी की जाती है। इस त्योहार को अलग-अलग समय में मनाते हैं। इस त्योहार को मनाने का सिलसिला लम्बे समय तक चलता है।पिछले साल में मैं एक निजी कार्य से ओडिशा के बरगढ़ शहर में था। वहां मुझे एक किसान ने भोजन के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने स्वाली (मीठी रोटी) खीर, दाल चावल, पापड़, चटनी और हरी पत्तीदार सब्जियां बनाई थीं। उन्होंने बताया कि अरसा पीठा विशेष रूप से तैयार किया जाता है।

नुआखाई के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हो जाता है। यह कुछ समय तक चलता है। इसमें भी लोगों का मिलना-जुलना होता रहता है। इस मौके पर मुझे कुछ साल पहले ओडिशा के मुनिगुड़ा की रेल यात्रा याद आ रही है। मैं मुनिगुड़ा एक मिश्रित खेती का प्रयोग देखने गया था। वहां से रायपुर लौटते समय ट्रेन में दूरदराज गांव की एक बुजुर्ग महिला मिली थी, जो बिलासपुर में रहने वाली उसकी बेटी के लिए नुआखाई के पकवान लेकर जा रही थी। उसने पोटली दिखाते हुए बताया था कि वह उसकी नातिनों के लिए गांव से अरसा पीठा बनाकर ले जा रही है। यानी यह परिजनों से मिलने-जुलने का भी अच्छा मौका होता है।यह त्योहार भाईचारे का भी है, लोग नुआखाई जुहार व भेंटघाट (सांस्कृतिक कार्यक्रम) के लिए एक दूसरे के घर आते जाते हैं। आपस में मिलकर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं भी देते हैं। सुदूर शहरों में नौकरीपेशा लोग भी गांव को चले आते हैं, और त्योहार में शामिल होते हैं।

इस त्योहार में जिन खेती के औजारों व बैलों की पूजा होती है, अब उनमें से कईयों का खेती में उपयोग कम हो गया है, या नहीं के बराबर है। हल-बैल की जगह ट्रेक्टर आ गए हैं। जबकि पहले पशुओं के बिना खेती संभव नहीं थी। रासायनिक खेती की अपनी कई समस्याएं है, जो सभी जानते हैं।हाल ही में पोला त्योहार निकला है, इसमें ग्रामीणों द्वारा बैलों की पूजा की जाती है। पशुपालन के बिना खेती अधूरी है। इसमें एक चक्र बना रहता था। फसलों के ठंडल व भूसा, खेत के चारे को पशु खाते थे, खेतों में उनसे जुताई होती थी, उनके गोबर की खाद से खेत की मिट्टी उर्वरक बनती थी। इस तरह टिकाऊ खेती की परंपरा थी।पशुपालन खेती का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हुआ करता था। गाय-बैल को परिवार के सदस्य की तरह उनकी परवरिश की जाती थी। हाल तक यह परंपरा जारी रही है, कुछ जगह अब भी है।खेती में बैल की जगह ट्रेक्टर आने से ऐसा लगता है कि खेती की आत्मा ही खो गई है। खेती और बैल का रिश्ता अटूट रहा है। उससे एक पूरा चक्र बनता है। खेती में फसलों के डंठल मवेशी खाते हैं, मनुष्य अनाज के लिए होता है। बैल खेत की जुताई करते हैं। उसके गोबर खाद से मिट्टी उर्वर बनती है।मेरे पिता एक छोटे किसान थे। हालांकि मैंने खुद किसानी नहीं की है, पर देखी है। घर में, पड़ोस में, गांव में खेती को करते हुए नजदीक से देखा है। बचपन में उसमें थोड़ा बहुत हाथ भी बंटाया है। देशभर में घूम-घूमकर किसानों से किसानी को समझा है। उस पर रिपोर्टिंग की है। इसलिए खेती को जाना-समझा है।

पहले किसान के घर का बीज होता था, पशुओं की गोबर से खाद बनती थी, हल-बैल से खेती होती थी, इसलिए किसान की लागत कम होती थी। अब भी प्राकृतिक खेती में यही तौर-तरीके अपनाए जाते हैं। स्थानीय पेड़-पौधों की पत्तियों से जैव कीटनाशक बनाए जाते हैं। जैविक खाद का उपयोग किया जाता है। इसमें भी कृषि लागत कम हो जाती है।

पिछले कुछ सालों से रासायनिक खेती का संकट साफ तौर पर उभरकर सामने आया है। खेती की लागत बढ़ती जा रही है। किसानों पर कर्ज हो जाता है और धीरे-धीरे वे इस कर्ज से उबर नहीं पाते हैं। क्योंकि खेती की लागत के अलावा और भी अन्य खर्चे बढ़ गए हैं।

हमारी खेती में सैकड़ों सालों की अच्छी परंपराएं रही हैं। कृषि संस्कृति रही है। हमारे अधिकांश त्योहार खेती से जुड़े हैं। दीपावली भी इनमें से एक है। दीवाली पर गाय, बैल आदि सभी पालतू जानवरों को सजाया जाता है। उनकी पूजा की जाती है। यह वह समय होता है, जब किसान के घर खरीफ की फसल आ जाती है। इस दीवाली में समस्त जीव-जगत के पालन का विचार शामिल है।दीपावली पर भी अन्न व पशु धन की पूजा की जाती है। पहले स्कूलों में भी दीपावली की लम्बी छुट्टी होती थी। इसे फसली छुट्टी भी कहते थे। इस दौरान बच्चे उनके अभिभावकों के साथ खेतों में काम करते थे। खेती के तौर-तरीके सीखते थे। यानी फसल कटाई के लिए अवकाश भी इसे कहा जाता था।खेती अब कई समस्याओं से घिर गई है। कृषि सभ्यता ठहर गई है। खेती व गांव उजड़ती हुई सभ्यता के प्रतीक बनते जा रहे हैं। हम ऐसे आधुनिक समय में रह रहे हैं, जहां सब कुछ देखकर भी अनदेखा कर देते हैं। किसान व किसान की पीड़ा हमारी आंखों से ओझल हो रहे हैं।हमें हमारी खेती किसानी को बचाना है तो हमें नुआखाई जैसे त्योहारों की भावना का सम्मान करना चाहिए। खेती-बाड़ी, पशुपालन और मिट्टी-पानी और पर्यावरण के संरक्षण की जरूरत है। क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ना चाहेंगे?

खूबसूरत ऐतिहासिक शहर

कच्छ

गुजरात विकास के लिए ही नहीं पर्यटन के लिए भी मशहूर है और यहां के कच्छ के बारे में तो कहा जाता है कि कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा। कच्छ गुजारात का एक खूबसूरत ऐतिहासिक शहर है। कहा जाता है कि अगर कच्छ नहीं देखा तो गुजरात की यात्रा अधूरी है। पर्यटकों को लुभाने के लिए यहां बहुत कुछ है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। यहां का ज्यादातर भाग रेतीला और दलदली है।

कच्छ गुजरात का सबसे मशहूर पर्यटक स्थल है। कच्छ में आपको गुजरात की असली छाप देखने को मिलेगी। कच्छ में आपको ऐतिहासिक इमारतें जखाऊ, कांडला और मुन्द्रा बंदरगाह है। जिले में अनेक ऐतिहासिक इमारतें, मंदिर, मस्जिद, हिल स्टेशन और कई खूबसूरत पर्यटन स्थल है। कच्छ में हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। कच्छ का ज्यादातर हिस्सा रेतीला और दलदली है। यहां की सफेद रेत पर चलने का एक अलग ही मजा है।

कच्छ बीच-भुज से करीब 60 किमी। दूर स्थित यह बीच गुजरात के सबसे आकर्षक बीचों में एक माना जाता है। दूर-दूर फैले नीले पानी को देखना और यहां की रेत पर टलहना पर्यटकों को खूब भाता है। साथ की अनेक प्रकार के जलपक्षियों को भी यहां देखा जा सकता है। सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा यहां से बड़ा आकर्षक प्रतीत होता हैं।

कंठकोट किला

एक अलग-थलग पहाड़ी के शिखर पर बने इस किले का निर्माण 8वीं शताब्दी में हुआ था। कहा जाता है कि 1816 में अंग्रेजों ने इस पर अधिकार कर लिया और इसका अधिकांश हिस्सा नष्ट कर दिया। किले के पास ही जैन मंदिर, कंथडनाथ मंदिर और सूर्य मंदिर है।

नारायण सरोवर मंदिर

ये मंदिर भगवान विष्णु के सरोवर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान में पांच पवित्र झीलें हैं। इन तालाबों को भारत के सबसे पवित्र तालाबों में गिना जाता है। नारायण सरोवर को हिन्दुओं के अति प्राचीन और पवित्र तीर्थस्थलों में शुमार किया जाता है। श्री त्रिकमरायजी, लक्ष्मीनारायण, गोवर्धननाथजी, द्वारकानाथ, आदिनारायण, रणछोडरायजी और लक्ष्मीजी के मंदिर आकर्षक मंदिरों को यहां देखा जा सकता है।

भद्रेश्वर जैन मंदिर

ये प्राचीन जैन मंदिर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए अति पवित्र माना जाता है। भद्रावती में 449 ईसा पूर्व राजा सिद्धसेन का शासन था। बाद में यहां सोलंकियों का अधिकार हो गया जो जैन मतावलंबी थे। उन्होंनें इस स्थान का नाम बदलकर भद्रेश्वर रख दिया।

कांडला बंदरगाह

यह राष्ट्रीय बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। यह बंदरगाह कांडला नदी पर बना है। मांडवी बंदरगाह यह बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। वर्तमान में मात्र मछली पकडने के उद्देश्य से इसका प्रयोग किया जाता है। यह बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। इस बंदरगाह को महाराव श्री खेनगरजी तृतीय और ब्रिटिश सरकार के सहयोग से 19वीं शताब्दी में विकसित किया गया था।

कच्छ मांडवी बीच

कच्छ मांडवी बीच को गुजरात के सबसे आकर्षक बीचों में से एक माना जाता है। यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त का बेहद सुंदर नजारा देखा जा सकता है। यहां पर आपको दूर-दूर तक नीला पानी दिखाने को मिलेगा। इसके अलावा यहां पर कई प्रकार के जलपक्षियों को भी देखा जा सकता है।

जखऊ बंदरगाह

ये बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। अब इस बंदरगाह का इस्तेमाल केवल मछली पकडने के लिए किया जाता है।

धौलावीरा

यहां का पुरातात्विक स्थल हडप्पा संस्कृति का प्रमुख केन्द्र था। भुज से करीब 250 किमी दूर धौलावीरा में हडप्पा संस्कृति फली-फूली थी। यह संस्कृति 2900 ईसा पूर्व से 2500 ईसा पूर्व की मानी जाती है। सिंधु घाटी सभ्यता के अनेक अवशेषों को यहां देखा जा सकता है।

पश्चिमोत्तर कच्छ

यहां कई धार्मिक स्थले हैं। हिन्दू धर्म के पवित्र सरोवरों में से एक नरायण सरोवर, उससे थोड़ी ही दूर पर प्रसिद्ध भगवान शिव और रावण का कोटेश्वर मंदिर

कैसे पहुंचें-

सड़क मार्ग से कच्छ आसानी से जाया जा सकता है। सड़क मार्ग से गुजरात और पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां के लिए राज्य परिवहन और प्राईवेट डीलक्स बसें अनेक शहरों से चलती हैं।

वायु मार्ग- भुज और कांदला दो महत्वपूर्ण एयरपोर्ट हैं।

रेल मार्ग- यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन गांधीधाम और भुज जिले के पास है।

सड़क मार्ग- गुजरात पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां पर जाने के लिए आसानी से बस मिल जाती है।

सुखद अहसास कराता है गुरुदेव का शांति निकेतन

कोलकाता से 210 किलोमीटर दूर वीरभूम जिले में पड़ने वाला शांतिनिकेतन अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय विश्व भारती के लिए प्रसिद्ध है जिसकी स्थापना गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने की थी। 1863 में महर्षि देवेंद्र नाथ टैगोर द्वारा एक आश्रम के रूप में स्थापित किये गये इस विश्वविद्यालय में देश-विदेश के छात्र कला व संस्कृति की नई ऊंचाइयां छूते हैं।

शांतिनिकेतन में टैगोर की चित्रकला व मूर्तिकला के साथ ही बोस, रामकिंकर, विनोद बिहारी मुखोपाध्याय की कलाकृतियों के दर्शन करना सचमुच एक सुखद अहसास करता है। शांति निकेतन के दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आईए आपको सबसे पहले लिए चलते हैं उत्तरायण परिसर में, जहां कि कविगुरु स्वयं रहा करते थे। इसमें उदयन, श्यामली, कोणार्क, पुनश्च तथा उदीचि जैसे कई भवन मौजूद हैं साथ ही इनके अलावा आप ललित कला का कालेज, कला भवन, संगीत भवन, नृत्य व संगीत के कालेज, विद्या भवन, शिक्षा भवन, विनय भवन, हिंदी भवन, चीना भवन आदि भी देख सकते हैं।

शांतिनिकेतन से लगभग तीन किलोमीटर दूर डियर पार्क है। जिसमें आपको हिरण विचरते हुए नजर आएंगे। लोग यहां पिकनिक का आनंद उठाने आते रहते हैं। यहां से 78 किलोमीटर की दूरी पर मासनजोर स्थित है। मयूराक्षी नदी पर बना यहां का बांध आसपास के पहाड़ी सौंदर्य के कारण बहुत ही सुन्दर दिखता है, दूर से आए सैलानियों को तो यह स्थल बहुत ही भाता है। यहां के यूथ होस्टल में ठहरने की भी व्यवस्था है। यहां से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी पर ननूर है, जोकि 14वीं सदी के वैष्णव कवि चंडीदास का जन्मस्थल है। यदि आप यहां जाना चाहें तो बोलपुर रेलवे स्टेशन से बस द्वारा यहां एक घंटे में पहुंचा जा सकता है। शांतिनिकेतन से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तारापीठ जाने के लिए बोलपुर से रामपुरहाट बस या ट्रेन से जाना पड़ेगा। वैस रामपुरहाट से तारापीठ केवल पांच किलोमीटर दूर है। यहां रामकनाई धर्मशाला भी है जहां आप रूक सकते हैं। तारापीठ के बारे में आपको एक बात बता दें कि यह तांत्रिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध स्थल है।

यहां की प्रसिद्ध वस्तुओं की बात करें तो आप पाएंगे कि यहां हथकरघा के वस्त्र अपनी कलात्मक डिजाइनों के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। बोलपुर, सर्वोदय आश्रम, विश्व भारती शिल्प सदन एवं शांतिनिकेतन कोआपरेटिव स्टोर्स से आप इन वस्त्रों की खरीददारी कर सकते हैं।

मौसम के हिसाब से देखें तो इस स्थल की सबसे खास बात यह है कि यहां वर्ष भर में कभी भी जाया जा सकता है। वैसे विश्व भारती विश्वविद्यालय मई-जून तथा सितंबर-अक्टूबर में पूजा की छुट्टियों में बंद रहता है। यदि आप यहां जाने का कार्यक्रम बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको बताए देते हैं कि पश्चिम बंगाल सरकार का पर्यटन विभाग एक रात व दो दिन का पैकेज टुअर पौष मेला के लिए विशेष तौर पर चलाती है। आप इन टुअर पैकेजों के लिए बोलपुर स्टेशन के पर्यटन कार्यालय से संपर्क साध सकते हैं।

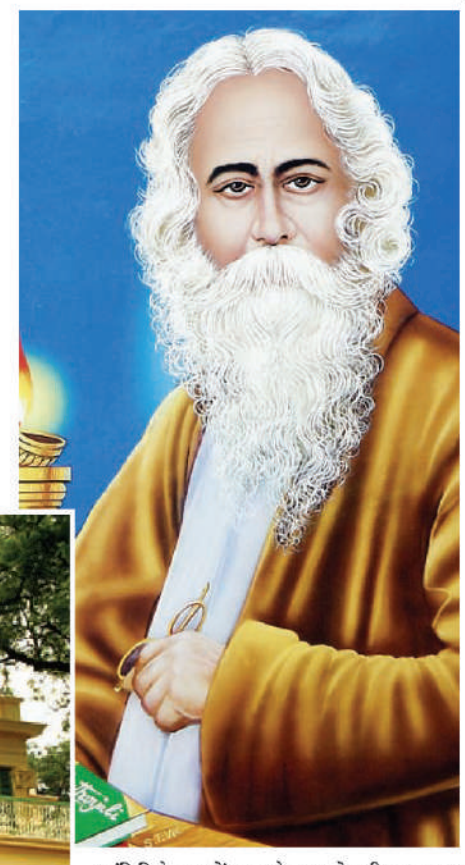

शांतिनिकेतन में आपके ठहरने की व्यवस्था भी आराम से हो सकती है। आप यहां के होटलों में फोन करके एडवांस बुकिंग भी करा सकते हैं या फिर चाहें तो शांतिनिकेतन व बोलपुर में मौजूद सस्ते डाक बंगलों में भी ठहर सकते हैं। इन डाक बंगलों में ठहरने का खर्च प्रति व्यक्ति लगभग पचास से सौ रूपये आता है।

शांतिनिकेतन तक पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन बोलपुर है जो कि यहां से दो किलोमीटर दूर है। आपको बोलपुर तक आने के लिए हावड़ा, सियालदाह व गुवाहाटी से रेल सेवाएं मिल सकती हैं यदि आप सड़क मार्ग से आना चाहें तो कोलकाता के अतिरिक्त दुर्गापुर व सारनाथ से भी सड़क मार्ग से जा सकते हैं। वैसे कोलकाता से शांतिनिकेतन के लिए सरकारी बस सुबह आठ बजे चलती है।

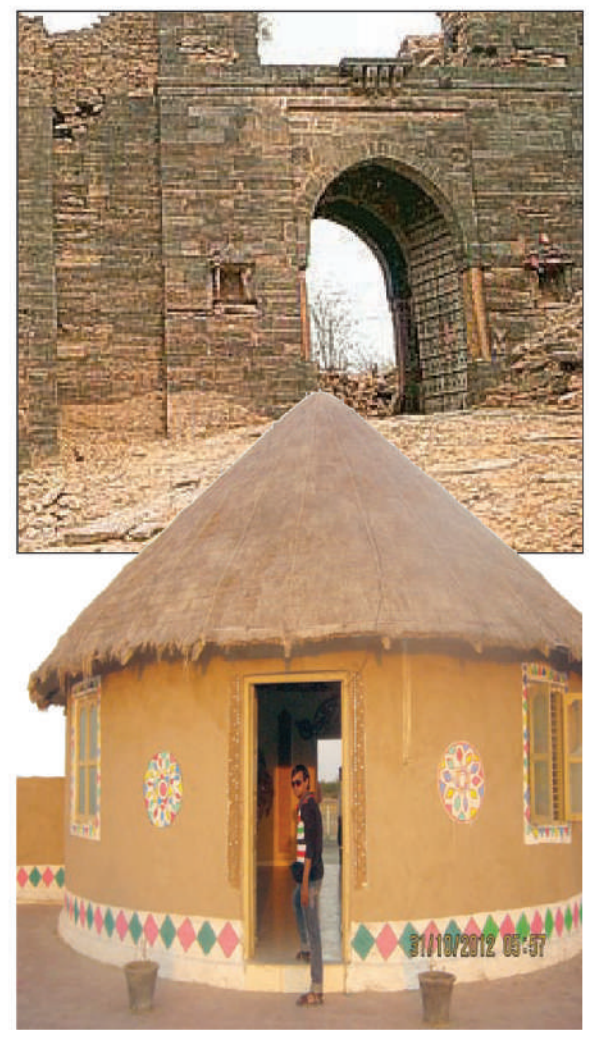

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।

छोटी-छोटी बातों पर रोना आता है.... पोस्टपार्टम डिप्रेशन पर खुलकर बोलीं

करिश्मा तन्ना

एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना और उनके पति वरुण बंगेरा इस साल जुलाई में एक बेटे के पैरेंट्स बने हैं. एक्ट्रेस अक्सर सोशल मीडिया पर अपने मदरहुड और पैरेंटहुड से जुड़ी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. वहीं अब उन्होंने पोस्टपार्टम डिप्रेशन को लेकर खुलकर बात की है. उन्होंने बताया कि बच्चे को जन्म देने के बाद वह इमोशनली कमजोर महसूस कर रही थीं और उन्हें अचानक रोना आ जाता था. करिश्मा ने ये भी बताया कि डिलीवरी से पहले उन्होंने खुद को इस सिचुएशन के लिए तैयार किया था.करिश्मा ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कहा, ये बेहतरीन एहसास है. जब मैंने बच्चे को जन्म दिया, तो मैं दंग रह गई. ये एक बिल्कुल अलग एहसास है, जिम्मेदारी और इमोशनल लगाव. ऐसा लगता है जैसे आपने अपने शरीर के एक अंग को जन्म दिया हो. मदरहुड आसान नहीं है, लेकिन ये खूबसूरत है.

मां बनने के बाद समझी असली ताकत

करिश्मा ने कहा कि मां बनने के बाद उन्हें महिलाओं की ताकत का असली मतलब समझ आया. उनके हिसाब से बच्चे की डिलीवरी के दौरान महिलाएं जिस हिम्मत

से मुश्किल समय का सामना करती हैं, वो काबिल-ए-तारीफ है. इसी के साथ उन्होंने अपने बच्चे के देखभाल में मदद करने वाले परिवार और अपने सपोर्ट सिस्टम का भी शुक्रिया अदा किया.एक्ट्रेस ने बताया, कई बार ऐसा होता है कि आप छोटी-छोटी बातों पर रोने लगती हैं. मैंने इसके लिए खुद को पहले से ही तैयार कर लिया था, कि ये एक नॉर्मल परेशानी है और मैं इससे उबर सकती हूं. हालांकि इन सब के बाद भी, ये आप पर असर डालता है और इसे कंट्रोल नहीं कर सकते. आपको इससे गुजरना ही पड़ता है.

खुद को दोष न दें

करिश्मा ने नई माताओं को सलाह देते हुए कहा कि उन्हें खुद को दोषी नहीं मानना चाहिए और न ही हर बात को लेकर बुरा महसूस करना चाहिए. उन्होंने कहा कि हर मां अपने बच्चे के लिए अपनी तरफ से सही फैसला लेने की कोशिश करती है.

टांकों और हार्मोनल चेंज के बीच मां बनना

करिश्मा ने कहा कि बच्चे को जन्म देने के बाद शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं. टांकों से लेकर हार्मोनल बदलावों तक, एक महिला को कई मुश्किल सिचुएशन से गुजरना पड़ता है. ऐसे समय में फिजिकल और इमोशनल दोनों तरह की चेलैंज सामने आते हैं. करिश्मा ने ये भी बताया कि मां बनने के लिए जिस ताकत की जरूरत होती है, उसके बारे में सोचना भी आसान नहीं है.

36 घंटे 6-6 फिल्मों में एक साथ काम करती थीं रवीना टंडन, बीच सेट पर होती थी करिश्मा कपूर से मुलाकात

90 के दशक की बॉलीवुड फिल्मों और उस दौर की एक्ट्रेसेस की फैन फॉलोइंग आज भी काफी मजबूत है. उस दौर में रवीना टंडन और करिश्मा कपूर ने अपनी शानदार एक्टिंग के साथ साथ अपनी मेहनत से भी खास पहचान बनाई.

हाल ही में दोनों ने डांस इंडिया डांस के मंच पर अपने पुराने दिनों के किस्से शेयर किए, तो 90 के दशक के बॉलीवुड की एक अलग तस्वीर सामने आई. जिसमें उन्होंने बताया कि उस समय उनका शेड्यूल कितना बिजी हुआ करता था और वो पूरे दिन सिर्फ शूटिंग ही करती थीं.

रवीना टंडन ने बताया कि 90 के दशक में वो और करिश्मा कपूर एक दिन में 6 अलग अलग प्रोडक्शन के 6 सेट पर शूटिंग करती थीं. दोनों का पूरा दिन एक सेट से दूसरे सेट तक भागते हुए गुजरता था. उन्होंने बताया कि कहीं दो घंटे, तो कहीं तीन या चार घंटे शूट करने के बाद उन्हें तुरंत दूसरे सेट के लिए निकलना पड़ता था. उन्होंने बताया कि दोनों अक्सर फिल्म सिटी में शूट करती थीं और एक सेट से दूसरे सेट तक जाने के बीच उनका टाइम कपड़े और लुक बदलने में भी जाता था.

16-17 साल की उम्र से शुरू किया काम

रवीना और करिश्मा ने बताया कि उन्होंने काफी कम उम्र में फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था. उस समय दोनों की उम्र करीब 16-17 साल थी. रवीना ने ये भी बताया कि उस टाइम उन्हें आमतौर पर मां या कोई भारी भरकम रोल नहीं मिलते थे. ऐसे में अलग-अलग फिल्मों में वो ज्यादातर जवान लड़कियों और अमीर या बिगड़े हुए बच्चों जैसे रोल निभाती थीं. वहीं एक ही दिन में कई फिल्मों की शूटिंग होने की वजह से उन्हें बार-बार अपना लुक और कॉस्ट्यूम बदलना पड़ता था.

सुबह 7 बजे से काम

रवीना ने बताया कि दोनों सुबह करीब 7 बजे से काम शुरू कर देती थीं. इसके बाद एक सेट से दूसरे सेट तक जाना लगा रहता था. कई बार ऐसा होता था कि दोनों एक दूसरे को रास्ते में ही क्रॉस कर जाती थीं और लास्ट में दोनों ही फिल्म 'अंदाज अपना अपना' के सेट पर मिलती थीं.

जेनिफर विंगेट की गोवा शादी की तस्वीरें वायरल, रितेश, करण वाही समेत सेलिब्रेशन में पहुंचे थे ये सितारे

जेनिफर विंगेट की शादी एक बार फिर सुर्खियों में है. एक्ट्रेस ने कुछ महीने पहले यूके में विलियम इश्माएल के साथ शादी की थी. जेनिफर ने अपनी इंटिमेट चर्च वेडिंग की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की थीं. अब उनकी शादी से जुड़ी कुछ नई तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, जो गोवा में हुए एक अलग सेलिब्रेशन के हैं. इन तस्वीरों में फैंस को शादी के जश्न का एक और खूबसूरत अंदाज देखने को मिल रहा है.

यूके में हुई शादी के दौरान जेनिफर और विलियम ने चर्च में क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी की थी. वहीं, गोवा में हुए सेलिब्रेशन में दोनों ट्रेडिशनल इंडियन आउटफिट में नजर आए. इस खास मौके पर टीवी और फिल्म इंडस्ट्री के कई जाने-पहचाने चेहरे भी शामिल हुए, जिससे ये सेलिब्रेशन और भी खास बन गया. चलिए जानते हैं जेनिफर की शादी में कौन-कौन पहुंचा था?

वायरल हुई जेनिफर की गोवा वेडिंग की तस्वीरें

गोवा में हुए इस सेलिब्रेशन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं. हालांकि, जेनिफर ने अभी तक इन तस्वीरों को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर नहीं किया है. इस सेलिब्रेशन में रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख, करण वाही, मंदिरा बेदी और शब्बीर अहलूवालिया जैसे सितारे नजर आए. तस्वीरों से लग रहा है कि ये एक छोटा और करीबी लोगों के बीच हुआ सेलिब्रेशन था. इस दौरान जेनिफर और विलियम ने इंडियन वेडिंग लुक कैरी किया था.

जेनिफर की गोवा वेडिंग में पहुंचे करण वाही

गोवा सेलिब्रेशन में करण वाही की मौजूदगी ने भी लोगों का ध्यान खींचा. दरअसल, इसी साल जेनिफर और करण की शादी को लेकर अफवाहें सामने आई थीं. हालांकि, करण ने उस वक्त इन खबरों को खारिज कर दिया था. जेनिफर और करण वाही वेब सीरीज 'राइजिंगहानी वर्सेज राइजिंगहानी' में साथ काम कर चुके हैं और दोनों की अच्छी दोस्ती है. ऐसे में जेनिफर के गोवा सेलिब्रेशन में करण की मौजूदगी उनकी दोस्ती को दिखाती है.

जेनिफर विंगेट की दूसरी शादी

विलियम इश्माएल के साथ जेनिफर की ये दूसरी शादी है. इससे पहले उन्होंने एक्टर करण सिंह ग्रोवर से 2012 में शादी की थी. दोनों की शादी ज्यादा समय तक नहीं चली और 2014 में दोनों अलग हो गए थे. इसके बाद करण सिंह ग्रोवर ने एक्ट्रेस बिपाशा बसु से शादी की. दोनों की एक बेटी भी है.

ईशा मालवीय

की बॉलीवुड में एंट्री, गुरमीत चौधरी संग करेंगी रोमांस, फर्स्ट लुक आया सामने

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस ईशा मालवीय के फैंस के लिए गुड न्यूज है. रिएलिटी शो, टीवी सीरियल और म्यूजिक वीडियो के बाद ईशा बॉलीवुड में एंट्री करने वाली हैं. जी हां, एक्ट्रेस जल्द ही एक्ट्रेस की पहली फिल्म रिलीज हो रही है. ईशा मालवीय फिल्म 'तुम मेरे हो' से अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं. इस फिल्म में उनके साथ गुरमीत चौधरी लीड रोल में हैं. फिल्म का फर्स्ट लुक भी सामने आ गया है, जिसमें ईशा और गुरमीत की कैमेस्ट्री साफ झलक रही है. एक पोस्टर पर लिखा है, 'कभी-कभी प्यार में पड़ना आसान होता है, लेकिन उसके बाद क्या होता है, वही असली कहानी है.'

इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म सिर्फ प्यार की शुरुआत नहीं, बल्कि उसके बाद आने वाले रिश्ते और भावनाओं की कहानी भी दिखाएगी. पोस्टर्स के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है. चलिए जान लेते हैं कि ईशा मालवीया और गुरमीत चौधरी की ये फिल्म कब रिलीज होने वाली है.

ईशा मालवीय की फिल्म का पोस्टर रिलीज

तुम मेरे हो के साथ ईशा मालवीय टीवी और म्यूजिक वीडियोज के बाद अब बड़े पर्दे पर कदम रखने जा रही हैं. फिल्म से पोस्टर्स सामने आए हैं उसमें ईशा और गुरमीत की लव कैमेस्ट्री साफ दिखाई दे रही है. एक पोस्टर नें दोनों किस करते नजर आ रहे हैं. वहीं, बाकी पोस्टर में दोनों स्टार्स एक दूसरे में खोए हुए दिखाई दे रहे हैं. यानी पोस्टर से ही आप समझ सकते हैं कि फिल्म में दोनों की कैमेस्ट्री कितनी ज्यादा अच्छी होने वाली है.पोस्टर्स देख फैंस भी काफी एक्साइटेड हो गए हैं और फिल्म का इंतजार कर रहे हैं. वहीं, कमेंट्स में फैंस ईशा को फिल्म के लिए बधाई भी दे रहे हैं. रिलीज डेट की बात करें तो, ये फिल्म 23 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है.

उड़ारिया से मिली थी पहचान

एंटरटेनमेंट की दुनिया में ईशा ने कई प्रोजेक्ट्स के जरिए अपनी पहचान बनाई है. लेकिन उन्हें असली पहचान टीवी सीरियल 'उड़ारिया' से मिली थी. इस शो में उनकी एक्टिंग को काफी पसंद किया गया था. इसके बाद एक्ट्रेस बिग बॉस 17 में नजर आईं.

एशियाई खेलों में दक्षिण कोरिया के हॉकी मैच में बजा उत्तर कोरिया का राष्ट्रगान, आयोजकों ने मांगी माफी

एजेंसी

नागोया (जापान)। आइची-नागोया एशियाई खेलों के आयोजकों ने दक्षिण कोरिया के पुरुष हॉकी मुकाबले से पहले गलती से उत्तर कोरिया का राष्ट्रगान बजाए जाने पर माफी मांगी है। दक्षिण कोरिया के खेल निकाय ने यह जानकारी दी। यह घटना जापान के गिफू प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश के बीच पुरुष हॉकी के पूल-ए मुकाबले से पहले हुई। योनहाप के अनुसार, मुकाबले से पहले दक्षिण कोरिया के राष्ट्रगान के स्थान पर उत्तर कोरिया का राष्ट्रगान बजा दिया गया।गलती का पता चलने के बाद आयोजकों ने पहले बांग्लादेश का राष्ट्रगान बजाया और उसके बाद दक्षिण कोरिया का सही राष्ट्रगान बजाया। घटना के तुरंत बाद कोरियन स्पोर्ट एंड ओलंपिक कमेटी (केएसओसी) ने एशियाई खेल आयोजन समिति के समक्ष आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। उसने आयोजन समिति से इस गलती के लिए औपचारिक माफी मांगने और भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न होने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की।

भारत-वेस्टइंडीज टी20 मुकाबले के टिकट लॉन्च, 399 रुपये से शुरू होगी कीमत

लखनऊ। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 6 अक्टूबर को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मैच के टिकट लॉन्च किए गए। मुकाबले के लिए सबसे सस्ता टिकट 399 रुपये, जबकि सबसे महंगा टिकट 13,500 रुपये का होगा। इतिहासकिताबें खोजें टिकट लॉन्च के मौके पर आयोजित प्रेस वार्ता में यूपीसीए के सचिव प्रेम मनोहर गुप्ता ने बताया कि मैच के आयोजन से जुड़ी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दर्शकों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुकाबले के लिए टिकटों की शुरुआती कीमत 399 रुपये रखी गई है। वहीं साउथ वीआईपी लाउंज-1 और 2 का टिकट 13,500 रुपये निर्धारित किया गया है। अलग-अलग स्टैंड के टिकट 449, 699, 899, 999, 1,099, 3,499, 6,400, 7,400, 8,400 और 9,400 रुपये की कीमत में उपलब्ध हैं।

एशियन गेम्स 2026: प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय दल को दी शुभकामनाएं, कहा- देश को आप पर गर्व है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापान के आइची-नागोया में शुरू हुए एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा ले रहे भारतीय दल को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि पूरे देश को उन पर गर्व है और वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए शानदार सफलता हासिल करें।प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''आइची-नागोया में एशियाई खेलों की शुरुआत के साथ ही, मैं भारतीय दल को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। हर खिलाड़ी ने कड़ी मेहनत की है और अद्भुत लगन व दृढ़ संकल्प दिखाया है। भारत को उन पर गर्व है। वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें, अच्छा खेलें और शानदार सफलता हासिल करें।'' केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भी भारतीय दल का हौसला बढ़ाया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'मंच तैयार है। जोश बुलंद है। टीम इंडिया एशियन गेम्स 2026 में धूम मचाने के लिए तैयार है। ' एशियन गेम्स 2026 का आधिकारिक रूप से आगाज हो गया। पालोमा मिजुहो स्टेडियम में आयोजित भव्य उद्घाटन समारोह में एशिया के विभिन्न देशों से पहुंचे खिलाड़ी और अधिकारी शामिल हुए।

एशियन गेम्स 2026: नीरज चोपड़ा ने भारतीय दल को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 20वें एशियन गेम्स में हिस्सा ले रहे भारतीय दल को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि भारतीय खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर देश को गौरवान्वित करेंगे। नीरज चोपड़ा इस बार के एशियन गेम्स का हिस्सा नहीं हैं। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा टखने के लिगामेंट में चोट के कारण एशियन गेम्स से बाहर हैं। हालांकि वह भले ही प्रतियोगिता में शामिल नहीं हैं, लेकिन भारतीय दल के लिए उनका समर्थन बरकरार है। वर्ष 2018 एवं 2023 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुके चोपड़ा ने जापान पहुंचे भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''एशियन गेम्स 2026 में टीम इंडिया को मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मुझे यकीन है कि वे सभी हमें गौरवान्वित करेंगे।'

एशियन गेम्स : भारतीय महिला क्रिकेट टीम फाइनल में
एक और पदक पक्का इतिहास

एजेंसी

निशिन (जापान)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम आइची-नागोया एशियन गेम्स-2026 के फाइनल में पहुंच गई है। भारतीय टीम ने रविवार को सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत का एक और पदक पक्का हो गया है। अब 22 सितंबर को भारतीय महिला टीम का फाइनल मुकाबला श्रीलंका से होगा।बांग्लादेश की टीम 22 को ही पाकिस्तान के खिलाफ कांस्य पदक के लिए भिड़ेगी। श्रीलंका ने आज सुबह पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान को आठ विकेट से हराया था। भारतीय महिला टीम ने 2023 में हांगझोउ एशियाई खेलों में भी स्वर्ण जीता था। इस बार भी टीम स्वर्ण पदक जीतना चाहेगी। सेमीफाइनल मुकाबले की बात करें, तो भारतीय महिला टीम ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के शतक की बदौलत

20 ओवर में चार विकेट पर 195 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की टीम 15.4 ओवर में महज 81 रन पर सिमट गई और 114 रन से हार गई। 196 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम का चार रन के स्कोर पर पहला विकेट गिरा। सलामी बल्लेबाज जुवैरिया फिरदौस खाता नहीं खोल सकीं। तीसरे ओवर में शोभना मिस्त्री चार रन बनाकर आउट हुईं। बांग्लादेश को 38 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा। निगार सुल्ताना नौ रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। बांग्लादेश की एक के बाद एक बल्लेबाज आउट होती गईं। शोरना अख्तर 5 रन, दिलारा 27 रन, नाहिदा 4 रन, शर्मिन 10 रन, मारूफा 5 रन और सुल्ताना खातून ने नाबाद 12 रन बनाए। संजीदा और राबिया खान खाता भी नहीं खोल सकीं। भारत की ओर से नंदनी शर्मा और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट लिए, जबकि श्री चारणी ने 2 विकेट, क्रांति गौड़ और श्रेयंका पाटिल ने एक-एक विकेट चटकाया। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने 49 गेंद में नाबाद 100 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और 9 छक्के लगाए। शेफाली के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 गेंद में छह चौकों की मदद से 40 रन बनाए, जबकि स्मृति मंधाना ने 19 गेंदों में 5 चौके और दो छक्कों की मदद से 37 रन की पारी खेली।

एशियाई खेल: सुचिका तारियाल ने पदक पक्का किया, एमएमए के सेमीफाइनल में पहुंचीं

एजेंसी

आइची-नागोया। भारत की सुचिका तारियाल ने रविवार को 2026 एशियाई खेलों में महिला पारंपरिक 60 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचकर अपना पदक पक्का कर लिया। उन्होंने मिश्रित मार्शल आर्ट्स (एमएमए) में क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मंगोलिया की अल्तानचिमेग बैगलमा को 2-0 से हराया।

36 वर्षीय सुचिका की इस जीत के साथ कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित हो गया है। अब वह फाइनल में जगह बनाने के लिए सिंगापुर की हुई हून तेओ या ईरान की अरेजू सलीमिगालेहताकी में से किसी एक का सामना करेंगी।मिश्रित मार्शल आर्ट्स इस बार एशियाई खेलों में पदार्पण करने वाली छह खेल विधाओं में शामिल है। इसके अलावा फ्रीस्टाइल बीएमएक्स, टैकबॉल, पैडल, सर्फिंग और वर्चुअल ताइक्वांडो भी पहली बार एशियाई खेलों का हिस्सा हैं।

सेल आईएसपी के कुंतल दास ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर लहराया तिरंगा

पावरलिफ्टिंग में जीते स्वर्ण-रजत पदक

एजेंसी

पश्चिम बर्दवान। पश्चिम बंगाल में सेल के आईएसपी बर्नपुर संयंत्र में कार्यरत पावरलिफ्टर कुंतल दास ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत और सेल-आईएसपी का नाम रोशन किया है। कनाडा के विनिपेग में 17 से 27 सितंबर 2026 तक आयोजित राष्ट्रमंडल पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में कुंतल दास ने 120 किलो से अधिक भार वर्ग के मास्टर्स-1 वर्ग में स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किया। कुंतल दास ने उपकरणयुक्त बेंच प्रेस स्पर्धा में दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके अलावा उन्होंने प्रतियोगिता की एक अन्य बेंच प्रेस स्पर्धा में रजत पदक जीतकर वर्ष 2026 के अपने राष्ट्रमंडल अभियान का शानदार समापन किया। मैनिटोबा प्रांत की राजधानी विनिपेग में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में विभिन्न देशों के शीर्ष पावरलिफ्टरों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में पुरुष और

महिला खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग भार वर्ग निर्धारित किए गए थे। वरिष्ठ, युवा और मास्टर्स वर्ग में पारंपरिक बेंच प्रेस तथा उपकरणयुक्त बेंच प्रेस सहित विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की गईं। 120 किलो से अधिक भार वर्ग पावरलिफ्टिंग की कठिनतम श्रेणियों में शामिल माना जाता है। इस वर्ग में कुंतल दास के प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय दल के प्रमुख खिलाड़ियों में स्थान दिलाया। उन्होंने अपने दमदार प्रदर्शन से भारत के लिए पदक हासिल कर अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का गौरव बढ़ाया। कुंतल दास का अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग में इससे पहले भी शानदार रिकॉर्ड रहा है। वर्ष 2025 में जापान में आयोजित एशिया-प्रशांत-अफ्रीका पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में उन्होंने 120 किलो से अधिक भार वर्ग के मास्टर्स वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था।

वहीं, दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में आयोजित प्रतियोगिता में उन्होंने बेंच प्रेस की विभिन्न स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक हासिल करने के साथ 170 किलो वजन उठाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया था। कुंतल दास सेल के आईएसपी बर्नपुर संयंत्र के कोक ओवन एवं कोयला रसायन विभाग से जुड़े हुए हैं। संयंत्र में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना उनकी उपलब्धि को खास बनाता है।

उनकी इस सफलता से सेल आईएसपी के अधिकारियों, कर्मचारियों और खेलप्रेमियों में खुशी का माहौल है। उनकी उपलब्धि ने एक बार फिर यह दिखाया है कि औद्योगिक क्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों के साथ खेल के क्षेत्र में भी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया जा सकता है।

एशियाड-2026 के लिए भारतीय रोइंग टीम में अमेठी से चुने गए सलमान खान

एजेंसी

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद के खेल जगत के लिए गौरव का क्षण है। अमेठी के प्रतिभावान खिलाड़ी सलमान खान का एशियाड-2026 के लिए भारतीय रोइंग टीम में चयन हुआ है। उनके चयन की खबर मिलते ही खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और जिले के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। सलमान खान के चयन को अमेठी की खेल प्रतिभाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सलमान खान ने अपनी मेहनत, लगन और लगातार अभ्यास के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। भारतीय रोइंग टीम में स्थान हासिल करना उनके खेल करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल हो गया है। एशियाड-2026 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलने से जिले के खिलाड़ियों में भी उत्साह का माहौल है। खेल प्रेमियों का मानना है कि सलमान का चयन अमेठी के युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।सलमान खान के चयन पर जिले के खेल जगत से जुड़े लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की कामना की है। इस अवसर पर वरिष्ठ सहायक शिवकुमार मौर्य, अंतरराष्ट्रीय एथलीट सूबेदार राहुल पाल, राष्ट्रीय खिलाड़ी डॉ. अब्दुल हमीद, खेल प्रशिक्षक एम.ओ. आसिफ, एम.ओ. नदीम, राकेश कनौजिया, पंकज दूबे, शहादत, राकेश कश्यप, महेन्द्र पाल, एम.ओ. शकील, प्रधानाचार्य रेखा सिंह तथा जितेन्द्र कुमार सहित अन्य खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों ने सलमान खान को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

खेल जगत से जुड़े लोगों ने कहा कि सलमान की उपलब्धि जिले के लिए गौरव का विषय है। उनके चयन से अमेठी में रोइंग समेत अन्य खेलों के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ने की उम्मीद है। खिलाड़ियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना प्रत्येक खिलाड़ी का सपना होता है और सलमान ने अपनी प्रतिभा व परिश्रम के बल पर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। अब अमेठी के खेल प्रेमियों की निगाहें एशियाड-2026 में सलमान खान के प्रदर्शन पर टिकी हैं। उम्मीद है कि वह अपनी मेहनत, अनुभव और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करेंगे और अमेठी के साथ-साथ भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय पटल पर रोशन करेंगे।

एशियन गेम्स : महिलाओं की निशानेबाजी में इलावेनिल ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता रजत

एजेंसी

नागोया (जापान)। भारतीय निशानेबाज इलावेनिल वलारिवन ने एशियन गेम्स-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। फाइनल में इलावेनिल ने 252.4 अंक हासिल किए और लंबे समय तक स्वर्ण पदक की दौड़ में सबसे आगे बनी रहीं। हालांकि, अंतिम चरण में मेजबान जापान की हिनाता ताइची ने वापसी करते हुए 253 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता।

हिनाता ताइची ने 253 अंकों के साथ नया गेम्स रिकॉर्ड भी कायम किया। इलावेनिल और हिनाता के बीच स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और दोनों के स्कोर में सिर्फ 0.6 अंक का अंतर रहा। दक्षिण कोरिया की ह्यो-जिन बान ने 230.4 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। फाइनल मुकाबले में इलावेनिल वलारिवन ने शुरुआत से ही शानदार निशानेबाजी की। उन्होंने लगातार सटीक शॉट लगाते हुए शुरुआती दौर में बढ़त बनाई और काफी समय तक शीर्ष स्थान पर

बनी रहीं। उनके प्रदर्शन को देखकर स्वर्ण पदक की उम्मीद मजबूत हो गई थी। मुकाबला जैसे-जैसे अंतिम चरण में पहुंचा, दबाव बढ़ता गया। इलावेनिल ने अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी, लेकिन आखिरी पलों में जापान की हिनाता ताइची ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बढ़त हासिल कर ली। ताइची ने 253 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि इलावेनिल 252.4 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। सोनम मस्कर छठे स्थान पर रहींभारत की सोनम मस्कर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में निराश किया। उन्होंने फाइनल में 167.0 अंक हासिल किए और छठे स्थान पर रहीं। क्वालीफिकेशन में तीसरे स्थान पर रहने के बाद सोनम से भी पदक की उम्मीद थी, लेकिन फाइनल में वह शीर्ष तीन में जगह नहीं बना सकीं। भारत का दूसरा पदक यह भारत का एशियन गेम्स 2026 में दूसरा पदक है। वहीं, इलावेनिल का भी इस एशियन गेम्स 2026 में दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने आज ही महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीता था। उस स्पर्धा में इलावेनिल ने सोनम मस्कर और विदर्सा विनोद के साथ मिलकर भारत को पदक दिलाया।

एशियन गेम्स में भारतीय महिला हॉकी टीम की धमाकेदार शुरुआत

उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया इतिहासकिताबें खोजें

एजेंसी

काकामिगाहारा (जापान)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स-2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है।काकामिगाहारा में खेले गए पूल बी के अपने पहले मुकाबले में भारत ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से करारी शिकस्त दी। भारत की इस बड़ी जीत की सबसे बड़ी स्टार दीपिका रहीं, जिन्होंने अकेले आठ गोल दागकर मुकाबले को एकतरफा बना दिया। इशिका ने हैट्रिक पूरी की। भारत की ओर से कुल आठ अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। इस मुकाबले के दौरान अनुभवी गोलकीपर सविता ने भी एक बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की और भारत की ओर से सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला हॉकी खिलाड़ियों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मुकाबले में भारतीय महिला टीम को शुरुआती बढ़त के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। सातवें

मिनट में लालरेमसियामी ने फील्ड गोल कर भारत का खाता खोला। इसके तुरंत बाद आठवें मिनट में दीपिका ने गोल करते हुए भारत की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद 11वें मिनट में इशिका ने भारत के लिए तीसरा गोल दागा। 12वें मिनट में बलजीत कौर ने गोल कर स्कोर 4-0 कर दिया। यह बलजीत कौर का भारत के लिए 50वां सीनियर अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी था। पहले क्वार्टर की समाप्ति तक भारत ने 4-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी। दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम ने अपनी आक्रामक रणनीति जारी रखी। 18वें मिनट में नेहा ने गोल कर भारत को 5-0 से आगे कर दिया। इसके बाद भारत को 22वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला और दीपिका ने इस मौके को गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। 23वें मिनट में नवनीत कौर ने भी गोल दाग दिया। इसके दो मिनट बाद यानी 25वें मिनट में दीपिका ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। हाफ टाइम तक भारत ने 8-0 की विशाल बढ़त बना ली थी। उज्बेकिस्तान के पास भारतीय आक्रमण का जवाब देने के लिए कोई मौका नहीं था। तीसरे क्वार्टर में तो दीपिका ने गोलों की झड़ी लगा दी। उन्होंने 33वें से 41वें मिनट के बीच लगातार चार गोल किए। इन चार गोलों के साथ दीपिका ने मैच में अपने गोलों की संख्या सात तक पहुंचा दी। उनके शानदार प्रदर्शन ने उज्बेकिस्तान की रक्षापंक्ति को पूरी तरह दबाव में ला दिया।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अफगानिस्तान के खिलाफ नौ अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात में खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान नजमुल हुसैन शांतो संभालेंगे।

टीम में तंजिद हसन, शादमान इस्लाम और मोमिनुल हक को शीर्ष क्रम में जगह दी गई है, जबकि कप्तान शांतो के अलावा मुशफिकुर रहीम और लिटन दास मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे। सौम्य सरकार भी टीम में शामिल हैं। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद को इस टेस्ट मैच के लिए आराम दिया गया है। टीम में मेहदी हसन मिराज और तैजुल इस्लाम के

रूप में दो प्रमुख स्पिन विकल्पों के अलावा हसन महमूद, खालिद अहमद, इबादोत हुसैन चौधरी और शोरिफुल इस्लाम को तेज गेंदबाजी विभाग में शामिल किया गया है।

बांग्लादेश की टीम:

नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तंजिद हसन, शादमान इस्लाम, सौम्य सरकार, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, लिटन दास, तौहीद हृदय, जाकेर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, हसन महमूद, खालिद अहमद, इबादोत हुसैन चौधरी और शोरिफुल इस्लाम।

रिजर्व खिलाड़ी: नईम हसन, मुशफिक हसन और इकबाल हुसैन एमोन। बांग्लादेश ने हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज ड्रॉ खेली है। टीम अब अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में अपनी हालिया लय को बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी।

यूपीएल 2026 के उद्घाटन समारोह में दिखेगा उत्तराखंड की संस्कृति का रंग, वाणी कपूर होंगी मुख्य आकर्षण

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) के तीसरे सीजन के भव्य उद्घाटन समारोह को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। 21 सितंबर को देहरादून के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर मुख्य आकर्षण होंगी। इसके साथ ही उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक और संगीतमय धरोहर की झलक भी मंच पर देखने को मिलेगी। इस रंगारंग कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों (गढ़वाल, कुमाऊं और जौनसार) के मशहूर लोक गायक अपनी प्रस्तुति देंगे। गढ़वाल से करिश्मा शाह व रुहान भारद्वाज, कुमाऊं से इंदर आर्य, जौनपुर से मंजू नौटियाल और जौनसार से अज्जू तोमर व अजय चौहान एक मंच पर आकर स्थानीय लोक संगीत का जादू बिखेरेंगे।

सबसे पहले महिला वर्ग के दो मुकाबले 21 सितंबर को खेले जाएंगे। सुबह 11 बजे पिथौरागढ़ हरिकेन्स का मुकाबला देहरादून वॉरियर्स से होगा, जिसके बाद दोपहर 3 बजे बागेश्वर एरियल और मसूरी क्वींस की टीमें आमने-सामने होंगी। इन दोनों मैचों के समापन के बाद शाम को ओपनिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी। ओपनिंग सेरेमनी से पहले क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) की सचिव किरण वर्मा ने एक बयान में कहा कि उद्घाटन समारोह उत्तराखंड प्रीमियर लीग के एक और रोमांचक सीजन की शुरुआत का प्रतीक है। हम एक ही मंच पर क्रिकेट और उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक प्रतिभा को एक साथ लाकर बेहद खुश हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष एवं सीएयू के पूर्व सचिव महीम वर्मा ने कहा कि ओपनिंग सेरेमनी क्रिकेट और उत्तराखंड की जीवंत सांस्कृतिक पहचान दोनों का जश्न मनाने का एक शानदार अवसर है। वर्षों से यूपीएल ने खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बेहतरीन मंच दिया है और यह सीजन एक और रोमांचक अध्याय साबित होगा। यूपीएल के चेयरपर्सन सुनील जोशी ने कहा कि उत्तराखंड प्रीमियर लीग का यह तीसरा सीजन लीग और उत्तराखंड क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। विभिन्न आयु समूहों और पृष्ठभूमि के खिलाड़ियों के एक साथ आने से, यह टूर्नामेंट स्थापित और उभरते दोनों तरह के क्रिकेटरों को गुणवत्तापूर्ण टी-20 माहौल में प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देता है। महिला वर्ग का समापन 24 सितंबर को फाइनल मैच के साथ होगा, जबकि पुरुष वर्ग की शुरुआत 22 सितंबर को शाम 7:30 बजे हरिद्वार एल्मास और नैनीताल टाइगर्स के मुकाबले से होगी। पुरुष वर्ग का एलिमिनेटर मैच 30 सितंबर को और फाइनल मुकाबला एक अक्टूबर को खेला जाएगा।

दक्षिणी रिज की 1,000 एकड़ भूमि को आरक्षित वन घोषित करने को मिली स्वीकृति

मुख्यमंत्री ने बताया कि रिज के विभिन्न क्षेत्रों की अंतिम अधिसूचना की प्रक्रिया लंबे समय से लंबित थी।

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दक्षिणी रिज की करीब 1,000 एकड़ (400 हेक्टेयर) अतिरिक्त भूमि को आरक्षित वन के रूप में अधिसूचित करने की स्वीकृति दे दी है। इस निर्णय के बाद अधिसूचित रिज क्षेत्र बढ़कर करीब 13,000 एकड़ (5,250 हेक्टेयर) हो जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि यह निर्णय भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 20 के अंतर्गत लिया गया है। दिल्ली रिज राजधानी की प्राकृतिक विरासत होने के साथ-साथ उसका हरित सुरक्षा-कवच है। रिज का संरक्षण केवल पेड़ों और वन क्षेत्र को बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिल्ली की स्वच्छ हवा, जैव विविधता, तापमान संतुलन और पर्यावरणीय सुरक्षा से सीधे जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि सरकार रिज के अधिक से अधिक पात्र क्षेत्रों को स्थायी वैधानिक संरक्षण देने के साथ-साथ क्षतिग्रस्त पारिस्थितिक क्षेत्रों के वैज्ञानिक पुनर्जीवन पर भी विशेष ध्यान दे रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि रिज के विभिन्न क्षेत्रों की अंतिम अधिसूचना की प्रक्रिया लंबे समय से लंबित थी। उनकी सरकार ने इसे प्राथमिकता देते हुए प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया है। सरकार का लक्ष्य दिल्ली रिज का संरक्षण, वैज्ञानिक पुनर्स्थापन और पुनर्जीवन सुनिश्चित करना है ताकि यह प्राकृतिक क्षेत्र आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सुरक्षित रह सके। उन्होंने बताया कि अरावली पर्वत श्रृंखला के विस्तार के रूप में दिल्ली रिज राजधानी के सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक हरित क्षेत्रों में शामिल है। यह जैव विविधता के संरक्षण, धूल नियंत्रण और स्थानीय तापमान को संतुलित रखने के साथ-साथ वायु प्रदूषण तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने में दिल्ली की प्राकृतिक क्षमता को मजबूत करता है। दक्षिणी रिज अरावली की उत्तरी छोर की महत्वपूर्ण पारिस्थितिक कड़ी है और इसे राजधानी के 'ग्रीन लंग' तथा कार्बन सिंक के रूप में भी महत्व दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि रिज संरक्षण की प्रक्रिया यहीं समाप्त नहीं होगी। रिज के अन्य पात्र क्षेत्रों को भी आरक्षित वन के रूप में अधिसूचित करने की वैधानिक प्रक्रिया जारी है और चरणबद्ध तरीके से अधिक से अधिक रिज क्षेत्र को स्थायी संरक्षण के दायरे में लाया जाएगा। दिल्ली रिज के संरक्षण, पुनर्स्थापन और प्रबंधन के लिए 2026 में दिल्ली रिज मैनेजमेंट बोर्ड का गठन भी किया गया है, जिसके दायित्वों में रिज की सुरक्षा, वैज्ञानिक पारिस्थितिक पुनर्स्थापन, वनीकरण और आवास संरक्षण शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली को केवल विकास की गति में आगे नहीं बढ़ना है, बल्कि विकास के साथ उसकी प्राकृतिक विरासत को भी सुरक्षित रखना है। रिज दिल्ली की सदियों पुरानी प्राकृतिक धरोहर है और यह आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी जिम्मेदारी है। करीब 13,000 एकड़ रिज को संरक्षण देना केवल जमीन के एक बड़े हिस्से को सुरक्षित करना नहीं, बल्कि दिल्ली की हवा, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन को सुरक्षित करने का संकल्प है।

एमसीडी ने संशोधित स्वास्थ्य पैनल नीति लागू की, कर्मचारियों-पेंशनभोगियों को मिलेंगी बेहतर चिकित्सा सुविधाएं

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने कर्मचारियों, पेंशनभोगियों, उनके परिवारों, वरिष्ठ नागरिकों और अन्य पात्र लाभार्थियों को बेहतर एवं सरल स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संशोधित स्वास्थ्य पैनल नीति लागू की है। महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि वर्ष 2006 के बाद स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में यह व्यापक संशोधन किया गया है। महापौर ने बताया कि संशोधित नीति के तहत नियमित कर्मचारियों और उनके आश्रितों को निर्धारित केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) दरों पर कैशलेस इनडोर उपचार की सुविधा मिलेगी। निर्धारित दरों के अनुसार अस्पताल को भुगतान निगम द्वारा सीधे किया जाएगा। अन्य मामलों में सीजीएचएस दिल्ली की निर्धारित दरों के अनुसार प्रतिपूर्ति का प्रावधान रहेगा। उन्होंने कहा कि अनुबंध पर कार्यरत कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए भी पहली बार विशेष प्रावधान किया गया है। अनुबंध अवधि के दौरान निगम द्वारा सूचीबद्ध अस्पतालों में सीजीएचएस दरों पर कैश-पेमेंट आधार पर उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। महापौर ने कहा कि पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को सूचीबद्ध अस्पतालों में क्रेडिट अथवा कैशलेस आधार पर उपचार की सुविधा जारी रहेगी। इसके अलावा वे सीजीएचएस से सूचीबद्ध किसी भी अस्पताल में उपचार करा सकेंगे।

दिल्ली के कालकाजी में प्रॉपर्टी डीलर की पीट-पीटकर हत्या, हमले में छोटा भाई भी घायल

नई दिल्ली। दिल्ली के पॉश इलाके कालकाजी में एक प्रॉपर्टी डीलर की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस घटना में मृतक प्रॉपर्टी डीलर का भी भाई गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे बाद में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक की पहचान 48 वर्षीय मंजीत सिंह के रूप में हुई। परिजनों ने एक परिवार पर मंजीत सिंह की हत्या और उसके दूसरे भाई से मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। मृतक की बहन ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि मंजीत सिंह की पीट-पीटकर हत्या की गई है। उन्होंने कहा, 'मेरे भाई को बुरी तरह पीटा गया। आरोपियों ने उसे वहीं मौके पर ही मार डाला।' 'रज्जी चौधरी नाम की महिला पर आरोप लगाते हुए मंजीत की बहन ने कहा, 'रज्जी चौधरी अपने पति, बेटों और बेटी के साथ मौजूद थी। वे सभी इसमें शामिल थे और सबने मिलकर उसे मारा। उन्होंने मंजीत के सिर पर वार किया। मेरे भाई के सिर पर किसी चीज से चोट पहुंचाई। सिर पर चोट लगने से वह गिर पड़ा। गिरने के बाद वे सभी लोग उस पर टूट पड़े और लगातार लात-घूंसे बरसाते रहे। उन्होंने उसे तब तक नहीं छोड़ा जब तक उन्हें यकीन नहीं हो गया कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई है।' मंजीत की बहन ने कहा कि जब हमें फोन आया तो हम लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। वहां रज्जी चौधरी लगातार भाई को पीट रही थी। मेरे दूसरे भाई ने उसको पकड़ा तो परिवार के लोगों ने उसके साथ भी मारपीट की है।

डूसू चुनाव नतीजों पर कॉकरोच जनता पार्टी का हमला : छात्र बंटे हैं इसलिए सरकार को फायदा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव 2026 के नतीजों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा चार में से तीन प्रमुख पदों पर जीत दर्ज करने के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। नतीजों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कॉकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक सौरव दास ने सत्ताधारी खेमे के साथ-साथ मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस, एनएसयूआई और वामपंथी छात्र संगठनों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विस्तृत बयान जारी करते हुए कहा कि छात्र मौजूदा सरकार से असंतुष्ट हैं, लेकिन विपक्ष के बिखराव का फायदा सीधे सत्ता पक्ष को मिल रहा है। 'सरकार के खिलाफ हैं छात्र, पर बिखराव का फायदा सत्ता को': दास ने नतीजों का विश्लेषण करते हुए कहा कि अधिकांश छात्र मौजूदा व्यवस्था और सरकार की नीतियों के खिलाफ हैं, लेकिन विरोधी वोटों के बंट जाने के कारण एबीवीपी को बढ़त मिल रही है। उन्होंने विजयी उम्मीदवारों को आगाह करते हुए लिखा कि जो लोग पदों पर आसीन हैं, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि वे कोई राजा या रानी नहीं हैं; विश्वविद्यालय के बहुसंख्यक छात्रों ने उन्हें वोट नहीं दिया है।

भाजपा की आईटी और सोशल मीडिया टीम की बैठक, नितिन नवीन और बीएल संतोष करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी राजधानी दिल्ली में आईटी और सोशल मीडिया टीम की एक अहम बैठक करने जा रही है। इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष करेंगे। बैठक में पार्टी की नेशनल टीम के सदस्य और सभी राज्यों के डिजिटल और सोशल मीडिया यूनिट के प्रमुख शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में तीन बड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। पहला, चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' को तेज करना, दूसरा, आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी की डिजिटल रणनीति को बेहतर बनाना और तीसरा, जेन-जी वोटर्स तक अपनी पहुंच को मजबूत करना। सेवा संकल्प अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर शुरू किया गया है। इस अभियान को लेकर बैठक में खास तौर पर ध्यान दिया जाएगा।

एमसीडी ने दिल्ली के पश्चिमी जोन और उत्तर-पूर्वी जोन में स्वच्छता ही सेवा गतिविधियों को किया तेज

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत राजधानी में व्यापक स्वच्छता एवं सफाई गतिविधियां जारी रखी गईं। इस दौरान संवेदनशील क्षेत्रों, जेजे क्लस्टरों, प्रमुख मार्गों, सेंट्रल वर्ज तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता व्यवस्था में सुधार पर विशेष ध्यान दिया गया। पश्चिमी जोन द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता एवं सफाई अभियान चलाए गए। सेंट्रल वर्ज की विशेष सफाई के लिए अभियान चलाया गया, जिसके तहत प्रमुख मार्गों से जमा कचरे को हटाया गया। पंजाबी बाग स्थित जेजे क्लस्टर तथा रघुबीर नगर स्थित जेजे कॉलोनी में भी विशेष सफाई अभियान चलाए गए तथा घनी आबादी वाले क्षेत्रों में स्वच्छता एवं कचरा उठाने पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके अतिरिक्त, राजौरी गार्डन से ककरोला मोड़ तक नजफगढ़ रोड पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया, ताकि प्रमुख सड़क मार्ग पर स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके।अन्य जोनों में उत्तर-पूर्वी जोन द्वारा सभी वार्डों में सफाई कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए। पूर्वी जोन में आनंद विहार क्षेत्र में गहन सफाई एवं अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। उत्तरी जोन द्वारा समयपुर बादली क्षेत्र में रेलवे लाइन की सफाई की गई। दक्षिण-पश्चिमी जोन में भी विभिन्न स्वच्छता एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें सामुदायिक शौचालयों की गहन सफाई तथा सेक्टर-3, द्वारका की झुग्गी बस्ती में आईईसी गतिविधि शामिल रही। इस दौरान स्वच्छता, कचरे के उचित पृथक्करण एवं जिम्मेदारीपूर्वक निस्तारण के संबंध में स्थानीय निवासियों को जागरूक किया गया। अभियान के तहत सफाई कर्मचारियों के लिए 13 वार्ड स्तरीय स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए। इसके अलावा, 13 वार्डों में प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र आयोजित किए गए, जिनमें लगभग 1,500 सफाई कर्मचारियों ने भाग लिया। 32 सामुदायिक शौचालय इकाइयों से 23.2 मीट्रिक टन कचरा उठाया गया, जबकि 20 क्लीनलिनेस टारगेट यूनिट्स को समाप्त किया गया। बाजार क्षेत्रों में भी गहन सफाई अभियान चलाए गए। 22 बाजारों में रात्रिकालीन सफाई अभियान के दौरान प्रतिदिन लगभग 5.7 मीट्रिक टन कचरा उठाया गया। एमसीडी द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2026 के तहत सभी 12 जोनों में स्वच्छता, सफाई, अपशिष्ट प्रबंधन एवं जन-जागरूकता गतिविधियां निरंतर जारी हैं। इन गतिविधियों के जरिए स्वच्छता मानकों में सुधार, स्रोत स्तर पर कचरे के पृथक्करण एवं उचित निस्तारण को बढ़ावा देने तथा दिल्ली के सार्वजनिक स्थलों को अधिक स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

उपराज्यपाल ने थाना दिवस जनसुनवाई में लोगों की शिकायतें सुनीं

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने पीएस मौर्य एन्क्लेव में 'थाना दिवस' जनसुनवाई में शामिल होकर नागरिकों से संवाद करते हुए उनकी शिकायतें सुनने और तय समय में उनका समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस को उनके मुख्य काम के बारे में फिर से याद दिलाया। उन्होंने कहा कि ऐसी पुलिसिंग जो दिखे, आसानी से उपलब्ध हो और तुरंत प्रतिक्रिया दे, साथ ही भ्रष्टाचार के प्रति जोरो टॉलरेंस (बिल्कुल बर्दाश्त न करना) की नीति अपनाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एफआईआर की कॉपी तुरंत मिले, केस के बारे में नियमित अपडेट दिए जाएं, बीट और नाइट पेट्रोलिंग मज़बूत हो और महिलाओं, बच्चों व

बुजुर्गों की सुरक्षा पर खास ध्यान दिया जाए। उपराज्यपाल ने स्थानीय निवासियों से बातचीत की और इस बात पर जोर दिया कि भरोसा कायम करने और दिल्ली को सुरक्षित बनाने के लिए आरडब्ल्यूए और मार्केट एसोसिएशन के साथ सक्रिय साझेदारी बहुत जरूरी है।

भाजपा ने सफाईकर्मी आत्महत्या मामले में आआपा के निगम पार्षद के इस्तीफे की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

एजेंसी
नई दिल्ली। सफाई कर्मी दीपक की आत्महत्या के मामले में आम आदमी पार्टी (आआपा) के त्रिलोकपुरी से निगम पार्षद विजय कुमार की भूमिका को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने आआपा कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने विजय कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन में दिवंगत सफाई कर्मी दीपक की पत्नी संगीता भी अपने छोटे बच्चे के साथ शामिल हुईं। प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा विधायक रविकांत उज्जैनवाल ने किया, जबकि निगम पार्षद प्रियंका गौतम ने इसका संयोजन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने विजय कुमार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों और निगम पार्षद कार्यालय के कर्मचारियों के बीच

तीखी बहस और झड़प की स्थिति भी उत्पन्न हुई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सफाई कर्मी दीपक के परिवार को न्याय मिलने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। प्रियंका गौतम ने कहा कि सफाई कर्मी समाज दिल्ली को स्वच्छ रखने के लिए दिन-रात मेहनत करता है और उनके साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। दीपक के मामले में सामने आए गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दीपक के परिवार को न्याय दिलाना केवल एक परिवार की लड़ाई नहीं, बल्कि उन सभी सफाई कर्मियों के सम्मान और अधिकार की लड़ाई है, जो दिल्ली की सफाई व्यवस्था को मजबूत बनाने में योगदान देते हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी और संबंधित निगम पार्षद से इस मामले में जिम्मेदारी तय करने की मांग की। प्रियंका गौतम ने कहा कि दीपक की पत्नी संगीता न्याय की उम्मीद में प्रदर्शन में शामिल हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने अब तक निगम पार्षद विजय कुमार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री को एसआईआर में नोटिस, सत्यापन के बाद नाम शामिल किया गया

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता (एसी-14 शालीमार बाग की मतदाता) को नोटिस को देकर स्थिति स्पष्ट किया। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान उनका नाम विसंगति / नो-मैपिंग की सूची में पाए जाने के बाद यह नोटिस जारी हुआ था। हालांकि तथ्यों और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) ने उनकी प्रविष्टि को वैध कर दिया है।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) शालीमारबाग कार्यालय ने आज एक नोट स्पष्ट किया है कि यह एसआईआर के तहत एक सामान्य प्रक्रिया है। जिन मतदाताओं के गणना फॉर्म अंतिम गहन पुनरीक्षण वाली मतदाता सूची से लिंक नहीं हो पाए, उन्हें चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार नोटिस जारी कर दस्तावेज सत्यापन किया जा रहा है। प्रक्रिया के तहत बूथ लेवल अधिकारी द्वारा फील्ड वेरिफिकेशन किया गया। तथ्यों और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ईआरओ ने उनकी प्रविष्टि को वैध कर दिया है। उनका नाम 4 नवंबर 2026 को प्रकाशित होने वाली एसी-14 (शालीमार बाग) की अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

OFFICE OF THE ELECTORAL REGISTRATION OFFICER
ASSEMBLY CONSTITUENCY-14 SHALIMAR BAGH, U&V BLOCK
RECREATION CENTRE, SHALIMAR BAGH, DELHI-110088
Email ID-ac14aero@gmail.com Tel: 011-27481254

PRESS NOTE

It has been reported in social media regarding issue of Notice to Hon'ble Chief Minister of Delhi Smt. Rekha Gupta during the ongoing Special Intensive Revision.

In this regard, it is informed that during the ongoing Special Intensive Revision (SIR) of Electoral Rolls, 2026, the entry pertaining to Hon'ble Chief Minister of NCT of Delhi, Smt. Rekha Gupta, an elector registered in Assembly Constituency 14 (Shalimar Bagh), was identified in the list of logical discrepancies on the basis of details provided in the Enumeration Form.

In accordance with the standard operating procedures of the Election Commission of India (ECI), a Notice was issued to the elector & physical field verification was conducted by the designated Booth Level Officer (BLO).

Following due verification of facts and documents provided by the elector, the entry for Hon'ble Chief Minister of NCT of Delhi, Smt. Rekha Gupta, has been validated and parked for inclusion in the Final Electoral Roll of AC-14 (Shalimar Bagh), scheduled for official publication on November 4, 2026 (as per schedule issued by ECI).

The Commission reiterates its firm commitment to a transparent, participative and inclusive revision process, ensuring that 'no eligible citizen is left out while no ineligible person is included in the Electoral Roll'.

ERO
AC – 14, SHALIMAR BAGH

मंत्री सूद ने 'सेवा-फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026' का किया शुभारंभ

● 'यदि आपके आसपास कोई किसान किसी समस्या से जूझ रहा है, तो केवल उस समस्या को देखकर आगे न बढ़ें, बल्कि उसका समाधान खोजें।'

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के उच्च शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) में 'सेवा-फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026' का औपचारिक शुभारंभ किया। इस पहल के तहत युवा नवोन्मेषकों को वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान कर उनके व्यावहारिक और तकनीक आधारित समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। चैलेंज में 2 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि, विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन तथा दिल्ली सरकार की ओर से आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मंत्री सूद ने कहा कि 'सेवा-फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' का विचार सरल है वास्तविक समस्याओं का समाधान खोजकर समाज की सेवा करना। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल कक्षा और किताबों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज के बीच जाकर उसकी वास्तविक चुनौतियों को समझना और उनके समाधान विकसित करना चाहिए। सूद ने कहा कि दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी को एंकर

यूनिवर्सिटी मानते हुए यह पहल उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों–हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़ और लद्दाख–में संचालित की जाएगी। विश्वविद्यालयों, उद्योगों, स्टार्टअप्स, स्कूलों, आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों के विद्यार्थी इसमें भाग लेंगे। प्रतिभागी स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर की चुनौतियों की पहचान करेंगे, नए विचार विकसित करेंगे, उनके प्रोटोटाइप तैयार करेंगे, उनका परीक्षण एवं सत्यापन करेंगे और व्यावहारिक समाधान को लागू करने की दिशा में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल कुछ नए स्टार्टअप तैयार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि दिल्ली में एक मजबूत इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने का प्रयास है। इसके माध्यम से युवा नवोन्मेषकों को सफल उद्यमियों, स्टार्टअप संस्थापकों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों से सीखने और मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। दिल्ली सरकार की ओर से आवश्यक हैंडहोल्डिंग और सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा तथा संभावनाशील विचारों को स्टार्टअप इकोसिस्टम और नीतियों के माध्यम से आवश्यकतानुसार वित्तीय सहयोग दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

मंत्री सूद ने कहा कि दिल्ली स्टार्टअप नीति के तहत दिल्ली में 10,000 स्टार्टअप और 4 लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। 'सेवा-फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' ऐसे इकोसिस्टम के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां युवा अपने विचारों को व्यावहारिक समाधान और सफल उद्यमों में बदल सकें। 2 करोड़ की पुरस्कार राशि वाला यह चैलेंज युवाओं को अपने अभिनव विचार सामने लाने, वास्तविक समस्याओं पर काम करने और सामाजिक प्रभाव वाले समाधान विकसित करने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करेगा।

मंत्री सूद ने कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों की चुनौतियों के समाधान पर विशेष जोर दिया। उन्होंने डीटीयू की उस पहल की सराहना की जिसके तहत 2027-28 के शैक्षणिक सत्र से इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को गांवों में भेजकर स्थानीय समस्याओं की पहचान और उनके व्यावहारिक तकनीकी समाधान विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

स्वच्छता की शुरुआत जनभागीदारी से, श्रमदान को जनआंदोलन बनाएं : उपराज्यपाल

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शकूरपुर स्थित दुर्लभ नाथ वाटिका में दिल्ली नगर निगम द्वारा आयोजित सफाई अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने निगम कर्मचारियों और 'वृक्षित फाउंडेशन' के युवा स्वयंसेवकों के साथ पार्क में श्रमदान किया और स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि स्वच्छ और साफ-सुथरी दिल्ली की शुरुआत जनभागीदारी से होगी। युवाओं का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वे अपने आस-पड़ोस की जिम्मेदारी लें और 'श्रमदान' को जनआंदोलन बनाएं। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से भी अपील की कि स्वयंसेवकों द्वारा साफ किए गए पार्क को आगे भी स्वच्छ बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था दिल्ली नगर निगम की जिम्मेदारी है, लेकिन नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। जैसे लोग अपने

घरों को साफ-सुथरा रखते हैं, उसी तरह अपने आसपास और मोहल्लों को भी स्वच्छ रखना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से कचरा नहीं फैलाने और स्वच्छता को अपनी रोजमर्रा की आदत बनाने का आह्वान किया। उपराज्यपाल ने कहा कि आज हर व्यक्ति के पास कैमरे वाला मोबाइल फोन है। ऐसे में नागरिक अपने आसपास की समस्याओं और गंदगी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से नागरिकों से जुड़े मुद्दों पर सोशल मीडिया पोस्ट की निगरानी करते हैं और प्रमुखता से उठाई गई शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई के प्रयास किए जाते हैं। इस दौरान उपराज्यपाल ने पार्कों में आवारा जानवरों की समस्या का भी संज्ञान लिया। उन्होंने नागरिकों से पार्कों में जानवरों के लिए रोटियां अथवा अन्य खाद्य सामग्री नहीं छोड़ने की अपील की, क्योंकि इससे आवारा जानवर पार्कों में एकत्रित होते हैं। उन्होंने दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों को पार्कों में आवारा जानवरों की समस्या से निपटने के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'स्वच्छ भारत अभियान' में योगदान देना चाहिए। दिल्ली को साफ, स्वच्छ और विकसित बनाए रखना सभी का सामूहिक कर्तव्य है।

इसके बाद उपराज्यपाल ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति भी मां की तरह हमारा पालन-पोषण करती है और उसकी रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा' मनाने के निर्देशों के तहत दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता संबंधी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

अमित शाह 29 सितंबर को 'बारापुला फेज-3' का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 29 सितंबर को 'बारापुला (बंदा सिंह बहादुर सेतु) फेज-3' मार्ग का उद्घाटन करेंगे जिससे यह परियोजना पूरी होने के साथ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से मयूर विहार फेस-1 तक सीधी कनेक्टिविटी स्थापित हो जाएगी। उद्घाटन के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद रहेंगी। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने परियोजना स्थल का दौरा कर अंतिम तैयारियों की समीक्षा की और पूरे हो चुके निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यह उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के तहत 'सेवा संकल्प अभियान' के दौरान हो रहा है। बारापुला फेज-3 पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेज-ढ्ढ को सराय काले खां से जोड़ते हुए एम्स और दक्षिण दिल्ली की ओर सिग्नल-फ्री कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह सराय काले खां स्थित मौजूदा बारापुला कॉरिडोर से जुड़ेगा, जिससे पूरा कॉरिडोर लगभग 9 किलोमीटर का हो जाएगा। पीडब्ल्यूडी 29 सितंबर को होने वाले उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर अंतिम तैयारियां कर रही है। प्रवेश सिंह ने कहा कि एक दशक से अधिक समय से दिल्ली इस परियोजना के पूरा होने का इंतजार कर रही थी और हमारी सरकार ने इस परियोजना का लगातार फॉलो-अप किया, हर चरण में इसकी प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक अनुमतियां एवं मंजूरियां पूरी कराने के लिए काम किया। इन प्रयासों के बाद अब यह लंबे समय से लंबित काम पूरा हो चुका है और कॉरिडोर दिल्ली की जनता के लिए खोलने के लिए तैयार है। गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन और सहयोग से दिल्ली की महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को अधिक गति और जवाबदेही के साथ आगे बढ़ाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बारापुला फेज-3 परियोजना को 2014 में मंजूरी मिली थी और इसका निर्माण कार्य 2015 में शुरू हुआ था। परियोजना को मूल रूप से 2017 तक पूरा किया जाना था, लेकिन बाद में इसमें देरी हुई, जिसके चलते परियोजना की लागत में भी वृद्धि हुई। परियोजना की संशोधित लागत लगभग 1,635 करोड़ रुपये है।